राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार
संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 18 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-261 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सीएम रेखा ने दिल्ली मेट्रो के 3 स्टेशन के बदले नाम

नई दिल्ली दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि यात्रियों की सुविधा और स्थानीय पहचान को स्पष्ट करने के लिए क्यूयू ब्लॉक में प्रस्तावित उत्तरी पीतमपुरा स्टेशन का नाम अब उत्तरी पीतमपुरा, प्रशांत विहार मेट्रो स्टेशन होगा। उन्होंने कहा, प्रस्तावित पीतमपुरा नॉर्थ मेट्रो स्टेशन का नाम हैदरपुर गांव मेट्रो स्टेशन किया जा रहा है। वहीं वर्तमान पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन का नाम मधुबन चौक मेट्रो स्टेशन होगा। रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली पवित्र रज कलश यात्रा का आज हैदरपुर पहुंचना अपने आप में एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। यह पवित्र यात्रा पूरे देश को राष्ट्र प्रथम की भावना से जोडने वाला एक सशक्त संदेश है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हैदरपुर गांव की यह धरती खुद को धन्य मान रही है कि वीर शहीदों की पवित्र स्मृति यहां पहुंची है। हमारी सरकार इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैक्स अस्पताल मार्ग के चौड़ीकरण और अंडरपास निर्माण का कार्य भी तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर, सुगम और सुरक्षित यातायात सुविधा प्राप्त होगी। हैदरपुर गांव विकसित दिल्ली की उस नई पहचान का प्रतीक बन रहा है, जहां परंपरा को सम्मान और आधुनिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

लद्दाख और चीन में सुबह-सुबह कांपी धरती, लोगों में दहशत

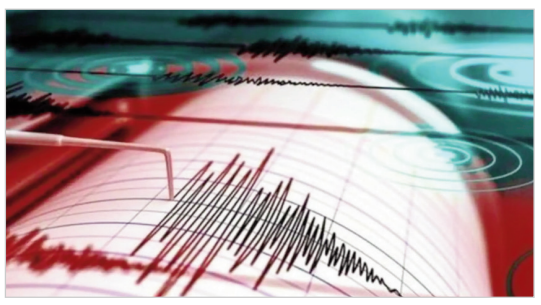

नई दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और पड़ोसी देश चीन में भूकंप के हल्के से मध्यम दर्जे के झटके महसूस किए गए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इन दोनों घटनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि लेह में 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया जबकि चीन के झिंजियांग क्षेत्र में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया।लद्दाख के लेह में रविवार को रिक्टर पैमाने पर 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। एनसीएस के अनुसार इस भूकंप का केंद्र ज़मीन की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। गौरतलब है कि लेह में इसके पहले 21 अक्टूबर 2025 को भी दोपहर में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र 90 किलोमीटर की गहराई पर था।चीन के झिंजियांग क्षेत्र में सोमवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता लेह से अधिक थी। चीन के झिंजियांग में सोमवार को तड़के 1 बजकर 26 मिनट पर 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप केवल 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया था। आमतौर पर सतह के करीब (उथली गहराई) आने वाले भूकंप अधिक खतरनाक माने जाते हैं क्योंकि उनकी ऊर्जा ज़मीन की सतह पर अधिक प्रभाव डालती है।

10 दिनों की एनआईए कस्टडी में भेजा गया आमिर राशिद अली, उमर से सीधा संपर्क

नई दिल्ली दिल्ली धमाका मामले में दिल्ली से गिरफ्तार किए गए आरोपी आमिर राशिद अली को 10 दिन की एनआईए की हिरासत में भेजा गया है। एनआईए ने राशिद को सोवार को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप है कि आत्मघाती हमलावर डॉक्टर उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमले की साजिश रची। इसके पहले जांच एजेंसी एनआईए ने आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के करीबी आमिर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया है, जो कश्मीरी निवासी है। हमले में इस्तेमाल कार आमिर के नाम पर ही रजिस्टर्ड है। ऐसा बताया जा रहा है कि आमिर ने उमर के साथ मिलकर ही आतंकी साजिश को अंजाम दिया था। वह जम्मू-कश्मीर के संबूरा, पंपोर का रहने वाला है। सबसे खास बात यह है कि जिस कार में आईईडी लगाकर धमाका किया गया था, वह कार आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। एनआईए ने दिल्ली में छापा मारकर आमिर को पकड़ा।आमिर के परिवार ने बताया कि वह प्लंबर का काम करता है और उसके भाई को भी गिरफ्तार किया है, जिसका नाम उमर है। उमर इलेक्ट्रीशियन का काम करता है। परिवार का कहना है कि आमिर कभी दिल्ली गया ही नहीं। सिर्फ कार इनकी है और उसका भी रजिस्ट्रेशन जम्मू-कश्मीर का है। इनके पिता की मौत कुछ साल पहले ही हुई थी। एनआइए ने बताया कि इस पूरी साजिश को आमिर राशिद अली ने कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर अंजाम दिया।

सऊदी अरब में बड़ा हादसा

मक्का से मदीना जा रहे 42 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली

सऊदी अरब में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां बस और टैंकर की भिड़ंत में 42 से ज्यादा भारतीयों की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुई बस उमरा यात्रियों को लेकर जा रही थी। तभी टैंकर से टक्कर हुई और इसमें आग लग गई। जिसमें 42 लोगों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। मदीना के पास हुए इस हादसे को लेकर माना जा रहा है कि सभी मृतक भारतीय नागरिक हैं, जिनमें कई हैदराबाद के बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक भारतीय समयानुसार रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात करीब रात 1:30 के आसपास की घटना है। बस मुफरीहाट से गुजर रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटना के वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। बस में आग लगी तो लोग हड़बड़ा गए और अचानक बाहर भी नहीं निकल पाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक दुर्घटना में मारे गए लोगों में 11 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। सरकार ने मृतकों के परिवारों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है जो कि इस प्रकार है, +91 7997959754, +91 9912919545. वहीं सऊदी अरब में भारतीय दूतावास की तरफ से हेल्पलाइन नंबर 8002440003 जारी किया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उमरा यात्रियों को लेकर जा रही बस की डीज़ल टैंकर से जोरदार टक्कर हो गई, जिसके बाद बस में भीषण आग लग गई। हादसा मदीना के पास हुआ और कम से कम 42 लोगों की जलकर मौत होने की पुष्टि की गई है। माना जा रहा है कि सभी मृतक भारतीय नागरिक हैं, जिनमें कई हैदराबाद के बताए जा रहे हैं। तेलंगाना सरकार ने कहा है कि वह भारत सरकार और रियाद में भारतीय दूतावास से लगातार संपर्क में है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में अधिकारियों को अलर्ट किया है और दूतावास के साथ करीबी समन्वय बनाने के निर्देश दिए हैं। वहीं हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी बड़ी चिंता जताते हुए कहा कि मक्का से मदीना जा रहे 42 हज-उमरा यात्री बस में आग लगने से मारे गए। उन्होंने तुरंत केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। ओवैसी ने बताया कि उन्होंने रियाध स्थित भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन अबू मैथन जॉर्ज से बात की है, जिन्होंने उन्हें हालात की जानकारी जुटाने का आश्वासन दिया है। ओवैसी ने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से भी संपर्क

किया और यात्रियों का डेटा दूतावास और विदेश सचिव के साथ साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैं केंद्र सरकार, खासतौर पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से अपील करता हूं कि शवों को भारत लाने की व्यवस्था तुरंत की जाए। अगर कोई घायल है तो उनका इलाज भी सुनिश्चित किया जाए। हादसे की जानकारी मिलते ही तेलंगाना सरकार और केंद्र दोनों सक्रिय हो गए हैं।

गरुड़ 25 में फ्रांस के आसमान में उड़ रहे सुखोई-30एमकेआई और राफेल विमान

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना (आईएफए) फ्रांस के आसमान में फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के साथ द्विपक्षीय वायु अभ्यास गरुड़ 25 को अंजाम दे रही है। संयुक्त वायु अभ्यास गरुड़ 25 फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन में 16 से 27 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों वायुसेनाओं के बीच पारस्परिक अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है। एक वास्तविक युद्ध जैसे वातावरण में विभिन्न युद्ध रणनीति और प्रक्रियाओं को परखना। दोनों देशों के पायलटों और टीमों के बीच प्रोफेशनल बातचीत, प्रचालनगत ज्ञान और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करना। भारतीय वायुसेना के सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमान फ्रांस के बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों (जैसे राफेल) के साथ जटिल हवाई युद्ध परिदृश्यों पर फोकस करेगा। हवा से हवा में युद्ध, एयर डिफेंस, और संयुक्त हमला करने के अभियान शामिल है।

फाइटर जेट की रेंज बढ़ाने के लिए आईएल-78 हवा से हवा में ईंधन भरने वाले टैंकरों का उपयोग करके हवा में ही ईंधन भरने का अभ्यास भी किया जा रहा है। अभ्यास के लिए टुकड़ी और भारी उपकरणों को लाने-ले जाने के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमानों का उपयोग किया जा रहा है। यह अभ्यास भारत और फ्रांस के बीच मजबूत रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है।

ड्रोन रोधी अभियानों पर भी

किया गया संयुक्त प्रशिक्षण

इसके अलावा, ड्रोन रोधी अभियानों जैसे विषयों पर संयुक्त प्रशिक्षण किया। यह पूरा अभ्यास भी फ्रांस में आयोजित किया गया। अभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं ने कंबैट शूटिंग, अर्बन वारफेयर, और अवरोध पार प्रशिक्षण भी किया। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली व ड्रोन रोधी क्षमता युद्धों का रुख निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

वहीं, भारत और फ्रांस के बीच राफेल मरीन लड़ाकू विमानों का सौदा भी हो चुका है। राफेल मरीन विमानों की खरीद के लिए यह सरकार-से-सरकार की डील है। इस डील के तहत फ्रांस द्वारा भारतीय नौसेना को मरीन (एम) श्रेणी के 26 राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाएगी। तय सौदे के मुताबिक भारतीय नौसेना को फ्रांस द्वारा 26 राफेल मरीन फाइटर जेट की डिलीवरी दी जाएगी।

कड़ाके की ठंड की चपेट में आए उत्तर और मध्य भारत

- भोपाल में 84 साल बाद बना नया रिकॉर्ड, राजस्थान-दिल्ली में तापमान लुढ़का

नई दिल्ली

उत्तर और मध्य भारत में ठंड तेज़ी से बढ़ रही है। भोपाल में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात का तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 9.2 डिग्री कम है। एक ही रात में 1.2 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई और इसी के साथ 1941 का 84 साल पुराना नवंबर के रिकॉर्ड के मुकाबले यह नया रिकॉर्ड बन गया।

दिल्ली में भी नवंबर की ठंड ने तीन साल पहले के मुकाबले नया रिकॉर्ड बनाया है। यहां रविवार को न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 4.5 डिग्री कम है। हालांकि अभी कोल्ड वेव घोषित नहीं की गई है।

लेकिन मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि सोमवार रात भी तापमान गिरा तो आधिकारिक कोल्ड वेव की घोषणा हो सकती है। यहां प्रदूषण के मोर्चे पर भी राहत नहीं मिली।

सोमवार सुबह दिल्ली का एक्यूआई 359 दर्ज हुआ, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में है। ग्रेप-3 लागू होने के बावजूद हवा की गुणवत्ता में सुधार नहीं दिख रहा है।

राजस्थान में भी मौसम बेहद सर्द रहा। रविवार को 16 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। सीकर 4.3 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। कई इलाकों में रात का तापमान सामान्य से 6 डिग्री तक नीचे रहा। उत्तर भारत से आने वाली तेज़ ठंडी हवाओं ने राजस्थान सहित कई राज्यों में ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम केंद्र जयपुर ने 4 जिलों में कोल्ड वेव का येलो अलर्ट जारी किया है।

गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठक

- फरीदाबाद में जुटे कई प्रदेश के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को हरियाणा के फरीदाबाद में उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ उत्तरी क्षेत्र के प्रमुख राजनेता शामिल हुए। इसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शामिल हुए। उत्तर क्षेत्रीय परिषद में निम्नलिखित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब राजस्थान, दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, चंडीगढ़ शामिल है। बैठक की शुरुआत में, दिल्ली लाल किला विस्फोट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। बैठक के दौरान जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है, वे हैं राज्य सरकारों के

बीच समन्वय, जल बंटवारे से संबंधित मुद्दे और विकास कार्यों की प्रगति। क्षेत्रीय परिषदें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीम भारत के दृष्टिकोण को पूरा करती हैं। ये इस विश्वास के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं कि सशक्त राज्य एक मजबूत राष्ट्र बनाते हैं। ये दो या दो से अधिक राज्यों या केंद्र को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर संवाद के लिए एक संरचित तंत्र प्रदान करती हैं।

कतर के बाद मॉस्को पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर.....रूसी समकक्ष लावरोव से मुलाकात

नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के रूस दौरे में अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात करने वाले है। विदेश मंत्री जयशंकर रूस दौरे से पहले दोहा, कतर में थे, जहाँ उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग की वर्तमान स्थिति और भविष्य के राजनीतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करना। दिसंबर में होने वाले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे की तैयारी और समीक्षा करना। एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन), ब्रिक्स, संयुक्त राष्ट्र, और जी20 के भीतर सहयोग पर चर्चा करना। एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की बैठक (17-18 नवंबर) को लेकर चर्चा करना, जिसके लिए जयशंकर एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए मास्को पहुंचे हैं। भारत-रूस संबंधों की वर्तमान स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना और राजनीतिक सहयोग के भविष्य के रास्तों की रूपरेखा तैयार करना।

- पिछली मुलाकातें और घटनाक्रम

अगस्त 2025 (पिछला दौरा): एस. जयशंकर ने 19-21 अगस्त 2025 तक रूस का दौरा किया था और आईआरआईजीसी-टीईसी (भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता की थी। उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन, प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी।

अक्टूबर (पीएम मोदी और पुतिन): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने फोन पर बात की थी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। पीएम मोदी ने पुतिन को 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत में स्वागत करने की उत्सुकता व्यक्त की थी। अक्टूबर (पीएम मोदी और पुतिन): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने फोन पर बात की थी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

सेना प्रमुख की दो टूक: भले चिट्ठी बैरन आए, पर हमें मालूम है जवाब किसे देना है

आतंकवाद, पाकिस्तान और सीमा सुरक्षा पर की बेबाक टिप्पणी

- चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली

चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन सत्र में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को देश की सुरक्षा नीति, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और भविष्य की युद्ध रणनीति पर कई तीखे और स्पष्ट बयान दिए। उन्होंने कहा कि डिटरेंस तभी काम करता है जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, सैन्य शक्ति पर भरोसा हो और पर्याप्त क्षमता मौजूद हो और वर्तमान में भारत के पास तीनों हैं।

जम्मू-कश्मीर के हालात पर बोलते हुए सीडीएस जनरल द्विवेदी ने कहा, कि धारा 370 हटने के बाद घाटी में सकारात्मक बदलाव हुए हैं। स्वतंत्रता दिवस के दौरान जो भ्रम पहले था, वह समाप्त हुआ और आतंकवाद में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा कि अब नई भर्तियां लगभग बंद हो चुकी हैं और जिन 21 आतंकियों को मारा गया, उनमें 61 फीसद पाकिस्तान से आए थे। इसी दौरान पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा, अगर कोई रोड़ा लगाएगा, तो हमें कार्रवाई करनी पड़ेगी। आतंकवादी और उनके आकाओं को जवाब देंगे ही। बैरन चिट्ठी भी आए तो हमें पता है किसे जवाब देना है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि यह केवल 88 घंटे में खत्म होने वाला एक ट्रेलर था, पूरी पिक्चर अभी बाकी है।

- खून और पानी साथ नहीं बह सकते

फायरसाइड चैट में जनरल द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि भारत अब पुरानी नीति से आगे बढ़ चुका है और देश का न्यू नॉर्मल साफ है, बातचीत और आतंक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि जो भी राज्य आतंकवाद को समर्थन देगा, भारत उसे सीधे और स्पष्ट कार्रवाई से जवाब देगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन पाकिस्तान को यह समझना होगा कि आतंकवाद का इस्तेमाल भारत पर दबाव बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, हम उन्नति की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई

रोक लगाएगा तो कार्रवाई जरूरी है।

- चीन से रिश्तों पर संतुलित रुख

उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2024 के बाद चीन के साथ संबंधों में सुधार हुआ है। हालांकि भारत की सीमा नीति बिल्कुल सख्त है। सुरक्षा चुनौतियों की बदलती प्रकृति को देखते हुए सेना को लंबी लड़ाई के लिए भी तैयार रहना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भविष्य की धड़कनः बच्चे - हमारी सुरक्षा, हमारा कर्तव्य

यह बाल यौन शोषण से प्रभावित लोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और बाल यौन शोषण, भेदभाव और हिंसा को रोकने और समाप्त करने की आवश्यकता एवं जवाबदेही ठहराने को मान्यता देता है। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश सिएरा लियोन और नाइजीरिया ने रखा था और 110 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया था। इसे तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आम सहमति से पारित किया गया। प्रस्ताव पेश करने वाली सिएरा लियोन की प्रथम महिला फातिमा माडा बायो ने बाल यौन शोषण को ए जघन्य अपराध करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने आज बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, तस्करी, यातना और हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए और भी तेज़ी से काम करने का आग्रह किया है।

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

18 नवंबर, बाल शोषण जागरूकता दिवस)

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 नवंबर को बाल यौन शोषण, उत्पीड़न और हिंसा की रोकथाम और उपचार को विश्व दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिन का उद्देश्य बाल यौन शोषण को वैश्विक स्तर पर उठाने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए उठाया गया सकारात्मक सोच का प्रतीक है द्य विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लाखों बच्चे यौन हिंसा का अनुभव करते हैं। यह शोषण हमारे आसपास भी खूब दिखता है, बस हमें देखने की दृष्टि चाहिए द्य इसलिए ये संकल्प सभी सदस्य देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के निर्वाचित व्यक्तियों और अन्य साझीदारों, विश्व नेताओं, अभिनेता नागरिको समाज और अन्य संबंधित लोगों को इस विश्व दिवस पर इस तरह से शपथ लेने के लिए आमंत्रित करता है .

यह बाल यौन शोषण से प्रभावित लोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और बाल यौन शोषण, भेदभाव और हिंसा को रोकने और समाप्त करने की आवश्यकता एवं जवाबदेही ठहराने को मान्यता देता है। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश सिएरा लियोन और नाइजीरिया ने रखा था और 110 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया था। इसे तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आम सहमति से पारित किया गया। प्रस्ताव पेश करने वाली सिएरा लियोन की प्रथम महिला फातिमा माडा बायो ने बाल यौन शोषण को ए जघन्य अपराध करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने आज बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, तस्करी, यातना और हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए और भी तेज़ी से काम करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पीड़ित हुए हैं या बच गए हैं, उन्हें इलाज और न्याय मिलना बहुत ज़रूरी है। बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा एक गंभीर समस्या है जो पूरी दुनिया में फैली हुई है। लाखों बच्चे इसके शिकार हो रहे हैं। हमें मिलकर इन अपराधों को रोकना होगा, बच्चों को सुरक्षित रखना होगा, और जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें सजा दिलानी होगी - चाहे वो ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। कोविड-19, युद्ध, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं जैसी बड़ी चुनौतियों के समय में, गरीबी बढ़ रही है, जिससे लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। इन सब से बच्चों की स्थिति और भी खराब हो रही है, और वे शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। जो बच्चे इन अपराधों का शिकार होते हैं, उनकी शारीरिक, मानसिक और यौन सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है, और उनकी पूरी जिंदगी प्रभावित हो सकती है। यह उनके लिए यातना जैसा ही है, हमें इन समस्याओं को रोकने के लिए और भी काम करना होगा।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बच्चों को यौन शोषण, शोषण और उत्पीड़न से बचाने के लिए एक भारतीय कानून है, लेकिन जन जाग्रति के बिना ये कानून काफी नहीं है . यूएनओ के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में, 20 वर्ष से कम आयु की लगभग 120 मिलियन बच्चियों ने विभिन्न प्रकार के जबरन यौन शोषण का अनुभव किया है। उच्च और मध्यम आय वर्ग में यौन हिंसा से पता चलता है कि लड़कियों में इसका प्रचलन 8 से 31 प्रतिशत और 18 वर्ष से कम आयु के लड़कों में 3 से 17 प्र तिशत है। 5 वर्ष से कम आयु के 4 में से 1 बच्चा ऐसी माँ के साथ रहता है जो अंतरंग साथी हिंसा की शिकार है।

अक्सर एक बच्चा दंडित होने के डर से बात नहीं कर सकता, वो शर्म और शर्मिंदगी भी महसूस कर सकता है . यही कारण है कि वयस्कों और विशेष रूप से माता-पिता के लिए इन शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहारों के खिलाफ सजग रहना जरूरी है .

जानबूझकर या अनजाने में किसी बच्चे को नुकसान पहुंचाना, जिससे उन्हें दीर्घकालिक शारीरिक चोट या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, इसे भी शारीरिक शोषण के रूप में चिन्हित किया गया है . भावनात्मक दुर्व्यवहार का एक गैर-शारीरिक रूप है जिसमें मनोवैज्ञानिक या मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हो सकता है . इस प्रकार का दुर्व्यवहार एक बच्चे को अवांछित, बेकार और प्यार रहित महसूस कराता है . इसमें ऐसे शब्द और कार्य शामिल हो सकते हैं, जो बच्चों में कम आत्मविश्वास, तनाव, चिंता, अवसाद और अनुशासनहीनता के कारण भावनात्मक क्षति का कारण बनते हैं .

विभिन्न प्रकार के बाल शोषण के बारे में स्वयं को शिक्षित करना सुनिश्चित करना ज़रूरी है . अपने बच्चों से बात करने से न शर्माएं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि आप उनके पर्सनल स्पेस पर आक्रमण न करें . बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करें . बच्चों से उचित और अनुचित व्यवहार के बारे में बात करें . बच्चे को बताएं कि आप उनके लिए हमेशा मौजूद हैं और प्रोडक्टिव बातचीत को प्रोत्साहित करें . यदि आप दुर्व्यवहार की कोई घटना देखते हैं, तो तुरंत इसकी रिपोर्ट करें या जांच की मांग करें, बच्चे भगवान का रूप होते हैं हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम उनकी रक्षा करें .

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

डिजिटल लत से मुक्ति

कोरोना संकट ने जहां ऑनलाइन शिक्षा के जरिये छात्रों को पढ़ाई का कारगर विकल्प दिया, तो वहीं छात्र-छात्राओं को डिजिटल एडिक्शन का शिकार भी बना दिया। मां-बाप को लगता था कि बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई में व्यस्त हैं, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चे ऑनलाइन गेम की लत के शिकार बने हुए थे। हाल के दिनों में पढ़ाई के माध्यमों और जीवनशैली में बदलाव के चलते बच्चे तेजी से डिजिटल लत के शिकार होने लगे हैं। मगर उन्हें ये सब सामान्य लगता था। यदि मां-बाप उन्हें इससे रोकते हैं, तो टोका-टाकी उन्हें बर्दाश्त नहीं होती है। उनका व्यवहार आक्रामक भी होने लगता है। कहीं-कहीं तो मां-बाप की सख्ती के बाद छात्रों के आत्महत्या करने के मामले भी सामने आए। केरल में सिर्फ पलक्कड़ में चार साल के भीतर 41 बच्चों द्वारा आत्महत्या करने के दुखद समाचार आए, जिसने प्रशासन और अभिभावकों की नींद उड़ा दी। डिजिटल लत से बच्चों को मुक्त करने के लिए केरल सरकार ने नई पहल की। पलक्कड़ में छह डि-एडिक्शन सेंटर शुरू किए हैं, जिनमें बच्चों की काउंसलिंग की जाती है। यहां मौजूद साइकोलॉजिस्ट लत के शिकार बच्चों का इंटरनेट एडिक्शन टेस्ट करते हैं, जिससे पता लगाया जाता है कि लत का स्तर क्या है। जिसके आधार पर उनकी काउंसलिंग की जाती है। इसके लिए जहां कुछ एक्सरसाइज करायी जाती हैं, वहीं दूसरी रचनात्मक गतिविधियों से इसे छुड़ाने की कोशिश की जाती है। इस दौरान एक-एक घंटे के दस-पंद्रह सेशन कराये जाते हैं। सुखद है कि चार-पांच सेशन के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। दरअसल, डिजिटल लत के शिकार बच्चों को यह बताना कठिन होता है कि वे डिजिटल लत के शिकार हैं। वे मानने को तैयार ही नहीं होते कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। उनके लिये यह व्यवहार सामान्य घटनाक्रम है। लेकिन डि-एडिक्शन सेंटर में काउंसलिंग और कुछ सेशन के बाद उन्हें लगता है कि कुछ गड़बड़ जरूर है। दरअसल, सोशल मीडिया का जाल हमारे समाज का ग्रास इतनी तेजी से कर रहा है, बच्चों को लगता ही नहीं कि वे कुछ असामान्य कर रहे हैं। जिसके चलते किशोर, इससे रोकने पर आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। कुछ मामलों में वे अवसादग्रस्त होने लगते हैं या फिर उनके मन में आत्महत्या के विचार आने लगते हैं। यह सुखद है कि पलक्कड़ में पिछले दो साल में साढ़े बारह सौ बच्चों को डिजिटल लत से मुक्ति दिलायी गई है। बच्चे मानसिक रूप से खुद को स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, आज जरूरत इस बात की है कि स्कूलों में शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई और इंटरनेट के प्रयोग में संतुलन बैठाने का प्रयास करें। सही मायने में यह संकट सिर्फ केरल के किसी एक जिले का ही नहीं है, यह संकट पूरे देश का है। जिसको लेकर केंद्र सरकार को यथाशीघ्र नीति बनाने और डि-एडिक्शन सेंटर खोलने की जरूरत है। इस दिशा में केंद्र व राज्यों के सहयोग से सकारात्मक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं प्राकृतिक चिकित्सा

(लेखक- श्रीराम माहेश्वरी)

प्रकृति के साथ जुड़कर चलने की प्राचीन विधि है प्राकृतिक चिकित्सा। प्रकृति का उद्भव पांच तत्वों से मिलकर हुआ । ये तत्व हैं - आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी । हम सभी जीव प्राणियों में ये पांचो तत्व पाए जाते हैं। मनुष्य इन तत्वों का संतुलन बनाए रखते हुए जीवनशैली अपनाए, यही प्राकृतिक चिकित्सा है।

यह सत्य है कि प्रकृति में जब इन पांच महाभूतों का संतुलन बिगड़ता है तो प्राकृतिक आपदाएं आती हैं और इससे जनधन हानि होती है। इसी तरह शरीर में इन पांच तत्वों का जब असंतुलन होता है तो हम बीमार पड़ जाते हैं । आदिकाल से ही भारतवर्ष में प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन रहा है। हमारे ऋषि मुनि इसे अपनाते रहे हैं। सात्विक भोजन, व्रत, उपवास, सप्ताह में एक दिन लवणहीन भोजन, राम नाम स्मरण उनकी दिनचर्या में शामिल रहता था। वे कल्पवास और तीर्थ स्थान का भ्रमण करते थे। ध्यान, योग और व्यायाम तथा संयमित जीवनशैली अपनाकर वे दीर्घायु होते थे।

प्राकृतिक चिकित्सा में योग आसनों का विशेष महत्व है । अनेक बीमारियों में अलग-अलग आसन बताए गए हैं । ये आसन प्राचीन ऋषि मुनियों द्वारा किए गए सफल प्रयोग का ही प्रतिफल है। देखा जाए तो योग और प्राकृतिक चिकित्सा एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों का ध्येय है कि बिना किसी तीव्र औषधि के शरीर को स्वस्थ रखना । योग के आसनों द्वारा शरीर की नाड़ियों में जमा विषैले तत्वों को पिघलाकर मल मूत्र के द्वारा बाहर निकाला जाता है , वहीं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा इन विजातीय तत्वों को एनिमा और कुंजल क्रिया द्वारा बाहर निकालने की विधि है । योग आसनों में शरीर में प्राण वायु को बढ़ाने और कार्बन को काम किया जाता है , वहीं प्राकृतिक चिकित्सा में संयमित और संतुलित आहार निर्धारण द्वारा शरीर को स्वस्थ रखते हैं। आसन से शरीर में ऊर्जा पैदा होती है और शरीर लचीला बनता है , वहीं प्राकृतिक चिकित्सा से शरीर को पुष्ट बनाया जाता है । इस तरह हम देखते हैं कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा से मनुष्य को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक लाभ मिलता है।

प्राकृतिक चिकित्सा की कई विधियां हैं । जैसे आहार चिकित्सा, जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, सूर्य किरण चिकित्सा तथा मालिश चिकित्सा । इस चिकित्सा के माध्यम से लोगों के रहन-सहन की आदतों में थोड़ा बदलाव लाकर उन्हें स्वस्थ रहना सिखाया जाता है। आहार चिकित्सा में अंकुरित अनाज, मौसम अनुसार ताजा फल और पत्तेदार सब्जियां दी जाती हैं। उत्तम स्वास्थ्य के लिए हमारा भोजन 20 फीसदी अम्लीय तथा 80 फीसदी क्षारीय होना चाहिए । जल चिकित्सा में स्वच्छ और शीतल जल से स्नान करना, स्वच्छ जल का सेवन करना तथा शरीर और आयु अनुसार जल की निर्धारित मात्रा लेने की विधि है।

मिट्टी चिकित्सा के अंतर्गत शरीर पर मिट्टी के लेप तथा चोट आदि में मिट्टी से उपचार पर महत्व दिया गया है। योगीजन मिट्टी को शरीर पर लेप करते हैं। इससे उन्हें सर्दी गर्मी की अनुभूति न्यूनतम होती है इसका कारण है मिट्टी में सर्दी गर्मी रोकने की शक्ति होती है। मिट्टी दुर्गंध को रोकती है। मिट्टी से हम शरीर को साफ करते हैं फिर स्वच्छ जल से स्नान करते हैं । महिलाएं बालों को मिट्टी से धोती हैं ।

मिट्टी पृथ्वी तत्व है। इसमें सबको आत्मसात कर लेने की शक्ति होती है। मिट्टी में अनेक रोगों को दूर करने की शक्ति है। जैसे हिरण जब किसी हिंसक जीव से घायल हो जाता है, तो वह जल के पास कीचड़ में लेट जाता है। वह कीचड़ चोट स्थान पर लगा रहता है । बाद में वह जल में जाकर उसे मिट्टी को धो लेता है। ऐसा करके वह स्वयं शरीर की चिकित्सा कर लेता है । अन्य जीव प्राणी भी इसी तरह प्राकृतिक तरीके अपनाकर अपने शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

वायु चिकित्सा में हम विभिन्न योग के आसनों द्वारा श्वांस ग्रहण करते हैं । यह प्राणवायु है जो हमें जीवन देती है । शुद्ध और स्वच्छ वायु से मनुष्य स्वस्थ रहता है , वहीं प्रदूषित वायु हमें बीमार कर देती है। आकाश तत्व चिकित्सा के अंतर्गत हम उपवास करके शरीर को स्वस्थ रखते हैं । आकाश तत्व महतत्त्व ही है। यह ईश्वरीय शक्ति है, जो निराकार है। आकाश को ब्रह्मांड का आधार कहा गया है। आकाश तत्व के संतुलन से मनुष्य को संजीवनी शक्ति मिलती है। ब्रह्मचर्य और संयम इसी तत्व की देन है।

प्राकृतिक चिकित्सा का महत्व देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अनेक स्थानों पर केंद्र संचालित हैं। इसके बावजूद इस क्षेत्र में प्रचार और जागरूकता की जरूरत है। आम आदमी को इससे जोड़ने के लिए शासन और समुदाय दोनों स्तर पर ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है।

(लेखक मानव जीवन और ध्यान पुस्तक के लेखक हैं)।

आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले वह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया। सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रूपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रूपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद!

ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रूपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रूपए और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया।

कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

विचार मंथन

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सारी दुनिया को दिखाई राह

(लेखक-सनत जैन)

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने पूंजीवाद के खिलाफ समाजवाद का एक नया रास्ता लोकतांत्रिक देशों को दिखाया है। जिसके कारण सारी दुनिया में उनकी चर्चा हो रही है। अमेरिका जैसे देश में पूंजीवाद के कारण आम लोगों का जीवन बद से बदतर होता जा रहा था। ऐसे समय में सामान्य व्यक्ति जनता की लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका की सड़कों पर उतरा। उसे सभी वर्गों का समर्थन मिला। पहले ही चुनाव में उसे 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल हुए। ममदानी की जीत ने सारी दुनिया को आर्थिक मामलों मे नया रास्ता दिखाया है। पूंजी के संतुलित वितरण का नया रास्ता तैयार किया है।

ममदानी को अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन नहीं मिला। उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं थे। उसके बाद भी, वह पैदल न्यूयॉर्क की सड़कों पर निकले,उन्होंने जनता के मुद्दों को उठाया। उनका निराकरण करने का तरीका बताया। आम जनता का उन्हें समर्थन और चंदा दोनों ही मिला। अमेरिका में नस्लभेदी और धार्मिक ध्रुवीकरण के बाद भी जिस तरह से उन्होंने जीत हासिल की है। उसकी सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। 18 से 29 वर्ष के 78 फ़ीसदी से ज्यादा नौजवानों ने उन्हे वोट दिया। न्यूयॉर्क में जिनकी आय सालाना 50000 डॉलर से कम थी। उनका ममदानी को बिना किसी भेदभाव के भारी समर्थन मिला। मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई तथा सार्वजनिक सेवाओं में जिस तरह से मध्यम और निम्न वर्ग को प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। ममदानी उनकी आवाज बने। न्यूयॉर्क में गरीब और मध्यम वर्ग आसानी से अपना जीवन यापन नहीं कर पा रहा है। वह दिनों दिन गरीब हो रहा है। पूंजीपति बड़ी तेजी के साथ अपनी पूंजी में इजाफा कर रहे है। शेयर बाजार में सट्टेबाजी हो रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। निम्न एवं मध्यवर्ग की आय घटती जा रही है। बेरोजगारी तेजी के साथ अमेरिका एवं न्यूयॉर्क में बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ममदानी न्यूयॉर्क की आम जनता के लिए सर्वमान्य नेता बनके उभरे हैं। ममदानी भारतीय मूल के हैं। उनकी मां हिंदू है, पिता मुस्लिम है, पत्नी ईसाई हैं।वह युवा हैं। सभी वर्ग ले लोगों को साथ लेकर चलने का संस्कार उनमें है। किसी भी वर्ग से उनका कोई टकराव नहीं है। सही मायने में भारतीय संस्कार ममदानी में पूरी तरह से देखने को मिलते हैं।यही उनकी सफलता का सबसे बड़ा राज भी है। वर्तमान मे जब सारी दुनिया पूंजीवाद के पीछे पागल है। सारी दुनिया के देशों के राजनेता पूंजीपतियों के पीछे हाथ बांधकर खड़े रहते हैं। ऐसे समय पर ममदानी ने बेहतर सामाजिक व्यवस्था के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया। उन्होंने मेयर पद के चुनाव में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा अमेरिका और न्यूयॉर्क के पूंजीपतियों ने उनका विरोध किया था। उनकी ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें समर्थन नहीं दिया। इसके बाद भी वह अपने आत्मविश्वास के बल पर जनता के हीरो बनकर सामने आए हैं। युवाओं में वह बहुत तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहे हैं। जब सारी दुनिया के देशों मे महंगाई-बेरोजगारी का शिकार हुई है। दुनिया के बहुत सारे देश आर्थिक दुर्दशा के शिकार हैं। उनके ऊपर भारी कर्ज है। ऐसी स्थिति में ममदानी सारी दुनिया के लिए एक आदर्श के रूप में सामने आए हैं। इसका असर दुनिया के कई देशों में देखने को मिल रहा है। दुनिया के कई देशों में युवा आंदोलनरत होकर सड़को पर हैं। उनके बीच में ममदानी अच्छे खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। सही मायने में पूंजीवाद की पराकाष्ठा के चलते ममदानी ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए एक नया आर्थिक दृष्टिकोण न्यूयॉर्क में दिया है। जिसकी दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जनवरी माह में वह मेयर पद की शपथ लेंगे। उनकी जीत के बाद सारी दुनिया के देशों के सत्ताधीसों की सोच में बदलाव देखने को मिल रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग अब गरीब और मध्यवर्ग की बात करने लगे हैं। मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए यह एक बेहतर प्रयास माना जा रहा है। जो काम भारत के सत्ताधीसों को करना चाहिए था। भारत अपनी ही नीतियों से भटक गया। न्यूयार्क में ममदानी ने जवाहरलाल नेहरू द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर एक बार फिर सारी दुनिया को समाजवाद के रास्ते को दिखाने का काम किया है। वह पूंजीवाद का विरोध नहीं कर रहे हैं, वह साम्यवाद का भी विरोध नहीं कर रहे हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के लिये मिश्रित अर्थ व्यवस्था के योगदान को स्वीकार करते हुए, बेहतर मानव जीवन की कल्पना की है। बिना किसी टकराव के उन्होंने जनहित में जो काम शुरू किया है। उसमें उन्हें सफलता मिलेगी। इसका असर दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ेगा। पूंजीवाद धीरे-धीरे कमजोर होगा। पूंजीपति भी अपने सामाजिक उत्तरदायित्व और पूरा करेगें, यही आशा की नई किरण ममदानी ने जताई ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्टूबर में आईपीओ बाजार में म्यूचुअल फंड्स का निवेश 13,500 करोड़ पार

कुल 10 प्रमुख आईपीओ ने सामूहिक रूप से 45,000 करोड़ से अधिक जुटाए

नई दिल्ली अक्टूबर का महीना आईपीओ बाजार के लिए बेहद सफल रहा। इस दौरान कुल 10 प्रमुख पब्लिक इश्यू लॉन्च हुए, जिनसे सामूहिक रूप से 45,000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए गए। निवेशकों की ओर से शानदार प्रतिक्रिया देखने को मिली, खासकर म्यूचुअल फंड्स ने इस बाजार में सक्रिय भूमिका निभाई। म्यूचुअल फंड्स ने इन 10 आईपीओ में कुल 13,500 करोड़ रुपए का निवेश किया। सबसे अधिक रुचि केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस में रही, जहां 2,518 करोड़ रुपए के इश्यू का लगभग 71 प्रतिशत म्यूचुअल फंड्स ने सब्सक्राइब किया। मिडवेस्ट और केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट ने भी लगभग 55 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। रूबिकॉन रिसर्च को 50 प्रतिशत म्यूचुअल फंड सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया और वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट को क्रमशः 45 प्रतिशत निवेश प्राप्त हुआ। म्यूचुअल फंड्स की सक्रिय भागीदारी ने अक्टूबर के आईपीओ बाजार को मजबूती दी और निवेशकों के विश्वास का संकेत दिया।

आंध्र प्रदेश में 2,500 करोड़ से एआई संचालित जलीय कृषि पार्क स्थापित होगा

किंग्स इन्फ्रा ने एक्वाकल्चर टेक पार्क के लिए किया समझौता

नई दिल्ली किंग्स इंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड ने सोमवार को आंध्र प्रदेश सरकार के साथ श्रीकाकुलम के पास 2,500 करोड़ रुपये की लागत से जलीय कृषि प्रौद्योगिकी पार्क विकसित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह भारत का पहला एआई संचालित जलीय कृषि पार्क होगा, जो राज्य को टिकाऊ समुद्री खाद्य उत्पादन में तकनीकी अग्रणी बनाएगा। पार्क 500 एकड़ में फैलेगा। किंग्स इंफ्रा सीधे बुनियादी ढांचा, प्रसंस्करण और अनुसंधान एवं विकास में 500 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इसके अलावा सहायक उद्योग, छोटे व्यवसाय और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से 2,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश अपेक्षित है। किंग्स इंफ्रा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह पार्क समुद्री अर्थव्यवस्था के नए अवसर खोलेगा, रोजगार सृजन करेगा और खाद्य उत्पादन के वैश्विक मानक स्थापित करेगा। राज्य के एमएसएमई मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने कहा कि सरकार भूमि की पहचान और सभी आवश्यक स्वीकृतियों के लिए एकल-खिड़की प्रणाली प्रदान करेगी। आंध्र प्रदेश वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा जलीय कृषि उत्पादक राज्य है।

सरकार ने प्लैटिनम' आभूषणों के आयात पर लगाया प्रतिबंध

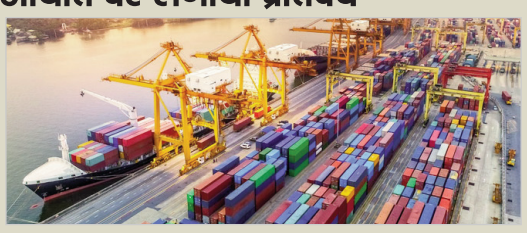

डीजीएफटी से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा

नई दिल्ली सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि अब प्लैटिनम' आभूषणों का आयात तत्काल प्रभाव से 30 अप्रैल 2026 तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। इससे पहले ये आभूषण आयात के लिए माफी (मुक्त) थे। अब आयातक इन वस्तुओं को लाने के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। सरकार ने सितंबर 2025 में कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर 31 मार्च 2026 तक प्रतिबंध लगा दिया था। इसका उद्देश्य थाईलैंड से बिना जड़ाऊ चांदी के आयात को रोकना था। भारत का आसियान मुक्त व्यापार समझौता थाईलैंड समेत 10 राष्ट्रों के साथ है। यह कदम घरेलू उद्योग की सुरक्षा और अवैध आयात पर नियंत्रण सुनिश्चित करेगा।

भारत में डीपीडीपी नए नियम, कंपनियों की डेटा सुरक्षा लागत बढ़ेगी

नए नियमों के तहत कंपनियों को सभी उपयोगकर्ताओं के डेटा की मैपिंग करनी होगी

नई दिल्ली

भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) अधिनियम के नए नियम 14 नवंबर को अधिसूचित हो गए हैं, जो कंपनियों के लिए डेटा प्रबंधन और सुरक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने पर केंद्रित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन नियमों से अगले 18 महीनों में कंपनियों की परिचालन लागत बढ़ सकती है। नए नियमों के तहत कंपनियों को सभी उपयोगकर्ताओं के डेटा की मैपिंग करनी होगी, सहमति प्रबंधन प्रणाली लागू करनी होगी और डेटा सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करना होगा। इसके अलावा कंपनियों को डेटा प्रिंसिपल अधिकारों को सक्षम करने वाले उपाय भी लागू करने होंगे। नियमों के अनुसार, कंपनियों को नवंबर 2026 तक डेटा संरक्षण और सहमति प्रबंधन तंत्र तैयार करना होगा और मई 2027 तक डेटा मैपिंग व व्यक्तिगत सहमति तंत्र लागू करना होगा। उद्योग विशेषज्ञों ने यूरोप के जीडीपीआर अनुभव का हवाला देते हुए बताया कि वहां कंपनियों को 2,50,000 डॉलर से 1 करोड़ डॉलर तक का खर्च उठाना पड़ा। भारत में यह लागत कंपनी के आकार और डेटा की मात्रा पर निर्भर करेगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज दूसरी छमाही में 22,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां बिक्री के लिए पेश करेगी

मुंबई रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज मजबूत उपभोक्ता मांग का लाभ उठाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में करीब 22,000 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय इकाइयां बिक्री के लिए पेश करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी अध्यक्ष पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कंपनी ने अनुमान लगाया है कि वह वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 40,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां पेश करेगी और लगभग 32,500 करोड़ रुपये मूल्य की इकाइयां बेचेगी। उन्होंने कहा, ''हमने इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान 18,600 करोड़ रुपये की संपत्तियां पेश की हैं। हमारी बिक्री बुकिंग लगभग 15,600 करोड़ रुपये की रही। मूलतः हमने पेशकश मार्गदर्शन का 47 प्रतिशत और बुकिंग मूल्य लक्ष्य का 48 प्रतिशत हासिल किया। और आमतौर पर दोनों ही दूसरी छमाही पर केंद्रित होते हैं। इसलिए, मैं कहूंगा कि हम इन दोनों संख्याओं को पूरा करने या उससे आगे निकलने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।'' पिरोजशा ने कहा कि मुंबई के वर्ली में उनकी आवासीय परियोजना का शुभारंभ हो रहा है और मार्च के अंत तक बांद्रा में भी एक नई परियोजना शुरू होने की उम्मीद है। वर्तमान आवासीय बाजार परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि समग्र बाजार अच्छी स्थिति में है। मांग का माहौल अभी भी काफी आकर्षक बना हुआ है।

प्रैक्सिस होम रिटेल ने तिमाही में दर्ज किया 81 करोड़ का मुनाफा

कंपनी की प्रति शेयर आय 4.38 रुपए रही

नई दिल्ली प्रैक्सिस होम रिटेल ने जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में 81 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी की प्रति शेयर आय इस दौरान 4.38 रुपए रही। उल्लेखनीय है कि पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को *3 करोड़ रुपए का घाटा और अप्रैल-जून 2025 में 16 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी ने इस वर्ष पूरी तरह ऋण मुक्त होने की उपलब्धि हासिल की, जो इसकी वित्तीय मजबूती और स्वतंत्रता को दर्शाती है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि यह रिकॉर्ड मुनाफा और ऋण-मुक्त स्थिति कंपनी की रणनीतिक और परिचालन सुधारों की सफलता को साबित करती है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत प्रबंधन और प्रतिबद्ध शेयरधारकों के साथ कंपनी अपनी पूरी क्षमता का दोहन कर सभी हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य प्रदान करने के लिए तैयार है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 388 , निफ्टी 103 अंक ऊपर आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 388.17 अंक बढ़कर 84,950.95 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.40 अंक ऊपर आकर 26,013.45 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग शेयरों की तेजी से बाजार पर प्रभाव पड़ा । निफ्टी बैंक 445.15 अंक उछलकर अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 58,962.70 पर बंद हुआ है। दिन के दौरान निफ्टी बैंक 59,001.55 के शीर्ष स्तर पर पहुंचा।

वहीं सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, एमएंडएम, टेक महिंद्रा, टाइटन, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे थे जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बीईएल, टाटा स्टील, आईटीसी, टीसीएस और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

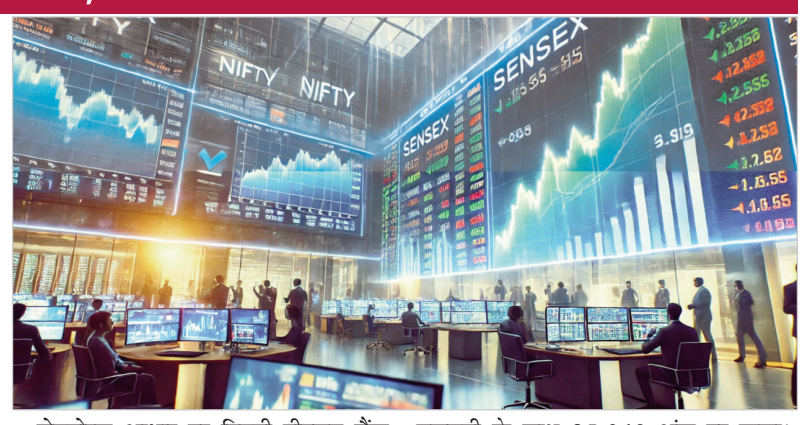

सेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक ,निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी रियल्टी के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बढ़त रही।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों के मिले-जुले रुख के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत सकारात्मक हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 84,700 अंक पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी-भी मजबूती के साथ 25,948 अंक पर खुला। अमेरिकी सरकार के दोबारा पूरी तरह खुलने की उम्मीद ने भी वैश्विक निवेशकों की धारणा को सकारात्मक बनाया। वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखा गया। जापान का निक्की इंडेक्स 0.18 फीसदी गिरा और टॉपिक्स इंडेक्स 0.44 फीसदी नीचे रहा। पिछले शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट के इंडेक्स में भी मिलाजुला प्रदर्शन रहा। एसएंडपी 500 0.05 फीसदी गिरा, डाओ जोंस 0.65 फीसदी नीचे गया, जबकि नेस्डेक 0.13 फीसदी बढ़ा।

सहारा समूह की संपत्ति बिक्री याचिका पर सुनवाई छह सप्ताह के लिए टली

कंपनी ने अपनी 88 प्रमुख संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज को बेचने की अनुमति मांगी थी

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई छह सप्ताह के लिए टाल दी जिसमें कंपनी ने अपनी 88 प्रमुख संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति मांगी थी। इस मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश की पीठ कर रही है। न्यायालय ने केंद्र से कहा कि वह वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर नफड़े द्वारा प्रस्तुत न्यायमित्र के अभिवेदन पर अपना जवाब दाखिल करे। नफड़े ने अदालत को बताया कि सहारा द्वारा बेची जा रही संपत्तियों के संबंध में कई आपत्तियां आई हैं, जिनमें विशेष रूप से 34 संपत्तियों पर गंभीर विवाद है। सहारा समूह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायालय को बताया कि कई संपत्तियां जाली दस्तावेज़ों के आधार पर बेची या पट्टे पर दी गई हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि यह मंच इन दस्तावेजों की वैधता की जांच के लिए उपयुक्त नहीं है और इस संबंध में केवल अधीनस्थ अदालत या गठित समिति ही निर्णय ले सकती है। प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि सरकार को अपना जवाब दाखिल करने दिया जाए और उसके बाद अदालत इन मुद्दों पर विचार करेगी। पीठ ने सहारा की याचिका के साथ-साथ न्यायमित्र के अभिवेदन पर भी केंद्र से जवाब मांगा। अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद होगी। गौरतलब है कि 14 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने सहारा की याचिका पर केंद्र, सेबी और अन्य हितधारकों से जवाब मांगा था। सहारा समूह अपनी संपत्तियों को अदाणी समूह को बेचने के लिए अनुमति चाहता है, जबकि विभिन्न पक्षों ने इस सौदे के संबंध में आपत्तियां उठाई हैं।

पेट्रोल-डीजल पटना और गुरुग्राम में सस्ता हुआ

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में पिछले दिनों आई गिरावट का असर

नई दिल्ली सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह पेट्रोल और डीजल के ताज़ा खुदरा दाम जारी कर दिए। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में पिछले दिनों आई गिरावट का असर देश के कई शहरों में साफ देखा गया। पटना में पेट्रोल की कीमत 53 पैसे घटकर 105.58 रुपए और डीजल 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गई। गुरुग्राम में पेट्रोल 24 पैसे सस्ता होकर 95.12 रुपए और डीजल 23 पैसे गिरकर 87.59 रुपए पर आ गया। जयपुर में पेट्रोल 104.72 रुपए और डीजल 90.21 प्रति लीटर बिक रहा है। बिहार में चुनाव समाप्त होने के बाद ईंधन दरों में लगातार नरमी दर्ज की जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44, डीजल 89.97 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76, डीजल 92.35 रुपए प्रति लिटर और कोलकाता में पेट्रोल 104.95, डीजल 91.76 रुपए प्रति लिटर मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फिसलकर 63.80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 59.47 डॉलर प्रे ति बैरल पर पहुंच गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में आत्मनिर्भरत बनेगा भारत

अश्विनी वैष्णव ने पेश किया रोडमैप, डिजाइन और गुणवत्ता पर आधार

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के अगले चरण के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें उद्योग से मज़बूत डिज़ाइन टीम, सिक्स सिग्मा गुणवत्ता और आत्मनिर्भर घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ज़ोर देने का आह्वान किया गया है। यह पहल भारत को एक प्रमुख वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण विकास के अगले चरण के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया और उद्योग जगत के नेताओं से तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने पर ज़ोर दिया, जहाँ उन्हें अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उद्योग जगत के सदस्यों से उनकी तीन प्रमुख माँगें थीं- मज़बूत डिज़ाइन टीम बनाना, सिक्स सिग्मा गुणवत्ता हासिल करना और आत्मनिर्भरता पहल के तहत घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं को मज़बूत बनाना। आईसीईए द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के सदस्यों और अन्य हितधारकों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में तेज़ी से हुई प्रगति ने आलोचकों का मुँह बंद कर दिया है। मंत्री ने कहा कि कई लोग विरोध कर रहे थे, और अब वे विरोध करने वाले गलत साबित हुए हैं। आपने रास्ता दिखाया है कि कैसे यह देश एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनेगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण विकास के अगले चरण के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया और उद्योग जगत के नेताओं से तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने पर ज़ोर दिया, जहाँ उन्हें अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

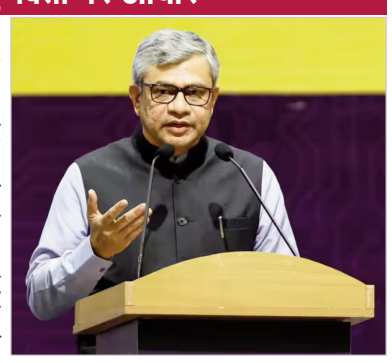

ब्लूस्मार्ट की 4,000 इलेक्ट्रिक कारें जल्द दिल्ली-एनसीआर में दौड़ेंगी

सिग्नोड्राइव ने जेनसोल की कारों का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली

नोएडा की कंपनी सिग्नोड्राइव टेक्नोलाजी पीवीटी. ने दिवालिया हुई जेनसोल इंजी रिये रिंग लिमिटेड (जेनसोल) की 4,000 इलेक्ट्रिक कारों को 24 महीने के लिए लीज पर लेने का सौदा किया है। इस अवधि में 18 महीने का लॉक-इन पीरियड होगा, जिसका मतलब है कि कंपनी इस दौरान सौदे से पीछे नहीं हट सकती। जेनसोल के प्रवर्तकों ने फंड का गलत इस्तेमाल किया, जिसके कारण कंपनी अपने लोन का भुगतान नहीं कर सकी और दिवालिया हो गई। सेबी ने दोनों प्रवर्तकों को कंपनी से बाहर कर दिया और उन्हें किसी भी प्रकार के प्रबंधन में दखल से रोक दिया। जेनसोल पर लगभग 500 करोड़ रुपये का लोन डिफॉल्ट दर्ज है। सिग्नोड्राइव इन कारों को बी2सी (बिजनेस टू कंज्यूमर) मॉडल पर चलाने की योजना बना रही है। इसके लिए वह रेपिडो जैसे ऑनलाइन कैब प्लेटफॉर्म के साथ करार कर सकती है। कारें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हैं, और ऑपरेशन वैल्यू प्रति कार 16,000 रुपए प्रति माह तय की गई है, जिससे मासिक कमाई लगभग 154 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। जेनसोल की 4,000 कारें अप्रैल से खड़ी हैं। तीन कंपनियों ने इस फ्लीट पर बोली लगाई थी, जिसमें सिग्नोड्राइव की बोली सबसे अधिक थी। कंपनी के पास पहले से ही ई-टैक्सी स्टार्टअप ईवार का मालिकाना हक है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी की ऑपरेशन इनकम 20 करोड़ थी, जो चालू वित्त वर्ष में 45-50 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

कंपनी को बीबी स्टेबल रेटिंग मिली है और बैंक फैसिलिटी 12 करोड़ रुपए है।

इस अधिग्रहण से सिग्नोड्राइव दिल्ली-एनसीआर में इलेक्ट्रिक कैब सेवा शुरू कर बड़े पैमाने पर विस्तार कर सकेगी और अपनी मासिक कमाई में महत्वपूर्ण इजाफा कर सकती है।

एसयू-30एमकेआई को हवा में अजेय बनाते हैं उसके छोटे पंख

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना का घातक विमान एसयू-30एमकेआई की असली ताकत सिर्फ उसके इंजन या मिसाइलों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे पंखों कानार्डस में छिपी है जो उसके कॉकपिट के पास लगे होते हैं। इनकी भूमिका इतनी अहम है कि यही एसयू-30एमकेआई को हवा में अजेय बनाते हैं। कानार्डस एक छोटा सहायक पंख होता है जो विमान के मुख्य पंखों से आगे लगाया जाता है।

इसका काम उड़ान के दौरान स्थिरता और नियंत्रण बढ़ाना होता है। सामान्य फाइटर जेट अपने पीछे के फ्लैप्स और रडर से दिशा बदलते हैं, जबकि कानार्डस हवा के दबाव को संतुलित रखकर विमान को तेज़ी से मोड़ने या झुकाने में मदद करते हैं। एसयू-30एमकेआई के कानार्डस विशेष रूप से इस तरह डिज़ाइन किए गए हैं कि वे विमान की लिफ्ट यानी उठान बढ़ाते हैं और ड्रैग यानी हवा की रुकावट घटाते हैं।

इसी वजह से यह जेट ऊँचाई पर भी स्थिर रहकर बेहद फुर्ती से दिशा बदल सकता है। एसयू-30एमकेआई में थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल और कानार्डस का संयोजन इसे सुपरमान्यूवरेबल बनाता है। यानी यह हवा में किसी भी दिशा में घूम सकता है, अचानक रुक सकता है या लगभग सीधा खड़ा होकर भी संतुलन बनाए रख सकता है। यही तकनीक कोबरा मान्यूवेर और कुलबीट जैसे शानदार हवाई करतबों को संभव बनाती है, जिनसे दुश्मन अक्सर चौंक जाते हैं। इन करतबों के दौरान कानार्डस विमान को गिरने या असंतुलित होने से बचाते हैं जिससे पायलट को नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है। ये कानार्डस न केवल उड़ान के दौरान बल्कि मिसाइल फायरिंग के समय भी विमान को स्थिर रखते हैं।

जब पायलट एक साथ कई लक्ष्य पर वार करता है, तब ये पंख विमान को अपने कोर्स पर बनाए रखते हैं। यही कारण है कि एसयू-30एमके आई हवा और जमीन दोनों पर समान रूप से प्रभावी है।

भारत ने अमेरिका से एलपीजी आयात के लिए किया समझौता

- जनता को सुरक्षित और किफायती गैस उपलब्ध होगी

नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को ऐलान किया कि भारत ने पहली बार अमेरिकी एलपीजी से जुड़ा लॉन्ग-टर्म कांट्रैक्ट किया है। इस डील के तहत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम अमेरिका से लगभग 2.2 मिलियन टन एलपीजी आयात करेंगे, जो देश के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग 10 प्रतिशत है। पुरी ने इसे ऐतिहासिक पहल बताया और कहा कि इससे एलपीजी सोर्सिंग में विविधता आएगी और आम जनता को सुरक्षित और किफायती गैस उपलब्ध रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक बाजार में एलपीजी की कीमतों में पिछले साल 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई थी, लेकिन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति सिलेंडर केवल 500-550 रुपये का भुगतान करना पड़ा। अमेरिका से एलपीजी आयात करने से भारत की घरेलू आपूर्ति मजबूत होगी, बाजार में कीमतों में स्थिरता आएगी और सिलेंडर की कमी नहीं होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन को अस्पताल से छुट्टी मिली पर दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार

फिट नहीं हुए तो सुदर्शन या पाडिक्कल को मिलगा अवसर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। शुभमन को पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान ही गर्दन में अकड़न आ गयी थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह अस्पताल से तो बाहर आ गये हैं पर अभी भी गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में उनका खेलना संदिग्ध है। टीम प्रबंधन उनके कार्यभार को ध्यान में रखकर ही इस मामले में फैसला लेगा। शुभमन मंगलवार को होने वाले अभ्यास सत्र में भी भाग नहीं लेंगे। वहीं पूरी टीम बुधवार को गुवाहाटी रवाना होगी। गिल गर्दन की समस्या से उबर रहे हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि वह अभी साथ खिलाड़ियों के साथ नहीं जाएंगे।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद कहा था था कि शुभमन की सेहत पर मेडिकल टीम की नजरें हैं और फिजियो जल्द ही उनकी एक और जांच करेगा उसके बाद ही उनके आगे खेलने पर फैसला होगा। पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शुभमन के बाहर होने से भारत के पास एक बल्लेबाज की कमी हो गयी थी। गंभीर ने माना कि यह स्थिति आसान नहीं थी। उन्होंने कहा, यह एक कठिन परिस्थिति थी। शुरुआत से ही हम जानते थे कि हमारी बल्लेबाजी में एक खिलाड़ी की कमी है।

अगर गिल गुवाहाटी टेस्ट के लिए फिट नहीं होते, तो उनकी जगह पर बी साई सुदर्शन और देवदत्त पाडिक्कल को टीम में जगह मिल सकती है। पाडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में एक-एक टेस्ट खेला था। अगर टीम एक-एक बदलाव तक सीमित रहती है, तो भारतीय टीम अगली इलेवन में सात बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरेगी। कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम ने पहली बार छह बाएं हाथ के बल्लेबाज उतारे थे। गिल पिछले साल भी गर्दन की अकड़न के कारण ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट नहीं खेल पाये थे। हैं। आईपीएल 2025 के बाद से ही लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं ऐसे में माना जा रहा है उन्हें फिटनेस बनाये रखने ब्रेक दिया जाना भी जरुरी है।

सिनर ने लगातार दूसरा बार जीता एटीपी फाइनल्स का खिताब, खिताबी मुकाबले में अल्काराज को हराया

ट्यूरिन (इटली) (एजेंसी)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फाइनल मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराकर लगातार दूसरी बार अपना एटीपी फाइनल्स चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता।

सिनर ने रविवार को खेले गये खिताबी मुकाबले में विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी अल्काराज को 7-6 (7-4), 7-5 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। सिनर ने पिछले तीन एटीपी फाइनल्स चैंपियनशिप मैचों में शामिल रहे हैं और उन्होंने लगातार दूसरी बार खिताब जीता है। 2023 के संस्करण में उन्हें सर्बिया के नोवाक जोकोविच से हार का सामना करना पड़ा था।

खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा, 'कार्लोस के खिलाफ खेलना मुश्किल था। वह खेल में वापसी करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मैं बहुत खुश हूं। यह बहुत ही कठिन मैच था। इस सीजन का इस तरह अंत करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' सिनर और अल्काराज ने साल के चारों ग्रैंड स्लैम खिताब बराबरी पर जीते हैं, जिसमें सिनर ने ऑस्ट्रेलियन और विंबलडन का खिताब जीता, जबकि स्पेनिश खिलाड़ी ने फ्रेंच और यूएस ओपन में जीत हासिल की। ट्यूरिन में ग्रुप चरण में तीन जीत के बाद, अल्काराज ने साल के अंत में नंबर वन रैंकिंग हासिल की, सिनर दूसरे स्थान पर हैं।

सीनियर खिलाड़ियों को आराम देने अज़लान शाह के लिए युवाओं को भेज रहे : कोच

-भारतीय टीम का 2026 सत्र रहने वाला है बेहद व्यस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि मलेशिया में 23 नवंबर से शुरु हो रहे सुल्तान अज़लान शाह कप टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों को शामिल करने का कारण उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव देने के साथ ही सीनियर खिलाड़ियों को भविष्य के मुकाबलों को देखते हुए आराम देना है। भारतीय टीम को आने वाले समय में कई बड़े मुकाबले खेलने है। इसी कारण हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, और मनदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। कोच ने कहा, भारत ए टीम चीन और यूरोप दौरे से लौटी है। इन्हीं खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में भेजने का लाभ ये है कि वे बड़े मंच पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया कि टीम का हाल ही में तीन सप्ताह का सफल शिविर अच्छा रहा है। फुल्टन ने बताया कि वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देने का सबसे बड़ा कारण है 2026 का व्यस्त और महत्वपूर्ण कैलेंडर इसमें भारतीय टीम को एफआईएस हॉकी वर्ल्ड कप, एशियन गेम्स लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक क्वालिफायर खेलने हैं। उन्होंने कहा- हमने इस साल एशिया कप जीतकर अगले साल के वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है। 2026 को लेकर हमारे लक्ष्य बड़े हैं। साथ ही कहा कि साल 1975 के वर्ल्ड कप खिताब को 50 साल पूरे हो रहे हैं। हम फिर से उस स्तर तक पहुंचने और 2026 को भारत शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।फुल्टन के अनुसार इसी का युवाओं को भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भेजा जा रहा है जिससे हमारी टीम किसी भी दिन किसी भी टीम को हरा सके।

आईपीएल में कप्तानी करना भारतीय टीम की कप्तानी से भी मुश्किल: राहुल

-मानसिक और शारीरिक थकाना होती है

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान रहे केएल राहुल ने पहली बार कप्तानी छोड़ने के कारणों का खुलासा किया है। राहुल के अनुसार आईपीएल में कप्तान करना उनके लिए कठिन रहा है। राहुल ने यहां तक कहा कि आईपीएल की कप्तानी करना उनके लिए भारतीय टीम की कप्तानी से भी कठिन रहा है। इससे उन्हें अधिक मानसिक और शारीरिक थकाना हुई है।

राहुल के अनुसार आईपीएल की कप्तानी इसलिए भी तनावपूर्ण होती है क्योंकि इसमें टीम मालिकों का दबाव रहता है, इसके अलावा लगातार बैठकें और समीक्षाएं होती रहती हैं। राहुल ने कहा आईपीएल में कप्तानी की सबसे कठिन बात थी उसमें होने वाली बार-बार बैठकें। इसमे हर फैसले पर सवाल उठाते थे और टीम मालिकों को भी हर बात समझानी पड़ती थी। इससे खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से थक जाता है। साथ ही कहा कि आईपीएल के बाद उन्हें 10 महीने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ज्यादा थकान लगी। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा लगता था कि हर फैसले पर सवाल उठाया जा रहा है, इसमें से बातें होती थी कि विरोधी टीम कैसे इतने रन बना पायी हौर हम नहीं बना पाये।

वहीं राहुल ने कहा कि कोच और चयनकर्ता खेल को समझते हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे सवाल नहीं उठते हैं। वहीं ऐसे लोग जो क्रिकेट से नहीं होते विशेष रुप से मालिक उन्हें कोई बात समझाना संभव नहीं है। गौरतब है कि आईपीएल 2024 में राहुल की कप्तानी के दौर टीम मालिक से संजीव गोयनका से काफी बहस हुई थी जिसके बाद से ही ये अनुमान लगाया गया कि वह अगले सत्र में टीम के साथ नहीं रहेंगे। राहुल इसके बाद से ही दिल्ली कैपिटल्स में हैं।

वॉन ने गंभीर पर कसा तंज, ऐसी पिच तैयार करोगे तो हार ही मिलेगी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार के बाद कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। वॉन ने तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसी पिच तैयार करोगे तो हार ही मिलेगी। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि वह इस मामले में पिच को दोष नहीं देते क्योंकि इसी प्रकार की पिच बनाने को उन्होंने कहा था। साथ ही कहा कि हमारी टीम को टर्निंग पिच पर खेलने आना चाहिए और अगर नहीं खेलेंगे तो हारना तय है। इसी पर वॉन ने लिखा, 'ऐसी पिच तैयार करो और विश्व टेस्ट चैंपियंस के खिलाफ आगे भी हारने के लिए तैयार रहो। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को शानदार जीत पर बधाई दी।' इस मैच में दोनों टीमें असमान उछाल और तेज टर्न के खिलाफ संघर्ष कर रही थी। केवल दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेंबा बवुमा ही इस मैच में अर्धशतक लगा पाये। कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी पिच पर निराशा व्यक्त की। गंभीर ने कहा हालात वही थीं जो टीम चाहती थी पर हमारे बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे।

भारतीय टीम जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंची

-दृष्टिबाधित टी20 महिला विश्वकप : भारत-पाक मैच के बाद दोनो टीमों की खिलाड़ियों ने मिलाये हाथ

दोहा (एजेंसी)। भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की टीम को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इस मैच में पहली बार भारत और पाक की खिलाड़ियों ने हाथ मिलाये। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से से ही दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथ मिलाने का सिलसिला रुका हुआ था। ये पहला मैच था जिसमें दोनो टीमो के खिलाड़ियों ने अंत में हाथ मिलाये। भारतीय टीम ने इस मैच को केवल 10 ओवर में ही जीत लिया। इस टूर्नामेंट में ये पांचवां मुकाबला था जिसे भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में भी टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाए पर मैच समाप्त होने के बाद दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने एक दूसरे से हाथ मिलाए और एक दूसरे का अभिवादन किया। इसके अलावा दोनों ही टीमें मैच के लिए एक ही बस में सवार होकर स्टेडियम पहुंची। मैच समाप्त होने के बाद पाकिस्तानी टीम की कप्तान निमरा रफीक ने भारत को जीत की बधाई दी। वहीं भारतीय कप्तान दीपिका टीसी ने भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की।

इस मैच में पाक की नेत्रहीन महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाये। महरीन ने 66 रन और अशरफ ने 44 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को दीपिका के 45 रनों और अनेखा देवी के 64 रनों की सहायता से 10 ओवर में 2 विकेट पर 136 रन बनाकर हासिल कर लिया।

हरभजन ने ईडन गार्डन की पिच पर नाराजगी जतायी, इस प्रकार की पिचों से टेस्ट क्रिकेटर को हो रहा नुकसान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में टीम को मिली करारी हार पर निराशा जतायी है। हरभजन ने इस हार के लिए टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने ऐसी पिच बनवायी जिसपर बल्लेबाजी करना बेहद कठिन था। भारतीय टीम की तीन दिनों के अंदर हुई हार के बाद ही ईडन गार्डन्स की पिच विवादों में है क्योंकि तीन दिन के अंदर ही 40 विकेट गिर गए। हरभजन ने कहा कि ऐसी पिचों के कारण ही टेस्ट क्रिकेट को नुकसान हो रहा है। साथ ही कहा कि इस प्रकार की पिच पर खेलकर खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ सकते। हरभजन ने कहा, 'इस प्रकार की पिच से पूरी टेस्ट क्रिकेट बर्बाद हो रहा है। इस प्रकार की पिचें बनाने को काम पिछले कुछ समय से हो रहा है। मैं कई सालों से देख रहा हूं। कोई इस बारे में बात नहीं करता क्योंकि टीम जीत रही है, कोई विकेट ले रहा है, कोई महान खिलाड़ी बन रहा है। उन विकेटों को लेकर इसलिए सबको लगता है कि सब कुछ ठीक चल रहा है। मुझे लगता है कि यह चलन आज शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चल रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का सही तरीका नहीं है!' साथ ही कहा 'आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप चक्की में बंधे घूम रहे हैं। आप जीत रहे हैं, लेकिन इसका कोई लाभ नहीं है क्योंकि एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह समय है इस पर विचार करने का कि ऐसी पिचों पर मैच खेलना जहां आपके बल्लेबाज यह भी नहीं जानते कि रन कैसे बनाए जाएं।

'स्पिन खेलने में भारत से बेहतर हैं पश्चिमी टीमें', अश्विन का भारतीय बल्लेबाजों पर बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय बल्लेबाजों में गेंदबाजों के खिलाफ खेलने की क्षमता की कमी को उजागर करते हुए दावा किया कि अगर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर या पूर्व घरेलू हीरो अमोल मजूमदार, भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच और मिथुन मन्हास ऐसी पिच पर स्पिनरों के खिलाफ खेले होते, तो टेस्ट चार दिन तक चलता, जबकि भारत को ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

इस हार को देखने के बाद, पूर्व ऑफ स्पिनर अश्विन, जिन्होंने पिछले एक दशक में अपनी स्पिन में महारत के साथ टर्निंग ट्रैक पर भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, का मानना ??है कि पश्चिमी देश स्पिन से निपटने में भारत से कहीं बेहतर हैं। भारत और विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच बमुश्किल तीन दिन चला, क्योंकि मेजबान टीम 134 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही और 93 रनों पर ढेर हो गई।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि मैं एक ऐसे दौर में एक और मैच में अपनी गर्दन निकालकर कहूंगा, जब स्पिन गेंदबाजी का बखूबी मुकाबला किया जाता था। मैं अमोल मजूमदार और मिथुन मन्हास, जो बीसीसीआई अध्यक्ष हैं, का नाम लूंगा, और मैं सभी का नाम नहीं लूंगा, बल्कि अपने चरम पर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का नाम लूंगा। अश्विन ने आगे कहा कि अगर ये खिलाड़ी स्पिन के ख़िलाफ़ इसी विकेट पर खेलते, तो यह मैच चार दिन तक खिंच सकता था। कुल 16 बल्लेबाज़ों में से सिर्फ़ तीन-चार बल्लेबाज़ ही अच्छी तरह से डिफ़ेंड कर पाए। अगर आपको टर्निंग ट्रैक पर खेलना है, तो स्पिन के ख़िलाफ़ आपका खेल अच्छा होना चाहिए; वरना, ऐसी पिचों पर मत खेलिए।

पहली पारी में गर्दन में ऐंठन के कारण भारत के कप्तान शुभमन गिल का विकेट गिर गया। कप्तान के बिना, गिल के उपकप्तान ऋषभ पंत ने उनकी जगह ज़िम्मेदारी संभाली और भारत ने 10 खिलाड़ियों के साथ मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश की। वाशिंगटन सुंदर (92 गेंदों पर 31 रन) और अक्षर पटेल (17 गेंदों पर 26 रन) की ज़बरदस्त पारियों के बावजूद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। भारत की हार के असली सूत्रधार साइमन हार्मर थे, जिन्होंने अपनी बाएँ हाथ की स्पिन से पंत, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा के विकेट चटकाए और 30 रन देकर 4 विकेट लिए। हार्मर के खिलाफ भारत का संघर्ष आधुनिक समय की दिग्गज टीमों की स्पिन के खिलाफ घटती कला की कड़वी याद दिलाता है।

रिजवान व फखर के अर्धशतकों से पाकिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय में श्रीलंकाई टीम को 6 विकेट से हराया, 3-0 से सीरीज जीती

लाहौर। मोहम्मद वसीम जूनियर की अच्छी गेंदबाजी और मोहम्मद रिजवान वह फखर जमा की बेहतरीन बल्लेबाजी से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज पाक टीम ने 3-0 से जीत ली है। इस मैच में मेहमान श्रीलंकाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.2 ओवरों में ही 211 रनों पर आउट हो गयी। पाक की ओर से वसीम ने तीन विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 212 रनों के लक्ष्य को पाक ने रिजवान और फखर के अर्धशतकों की सहायता से 4 विकेट के नुकसान पर 45वें ओवर में ही हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम की ओर से ओपनर पथुम निसंका 24 रन बनाकर ही आउट हो गये। सदीरा समरविक्रमा ने सबसे अधिक 48 रन की पारी खेली जबकि पवन रत्नायके ने 32 रन बनाये जबकि कामिल मिश्रा ने 29 रन बनाये। पाक की ओर से वसीम जूनियर ने 3 विकेट लिए जबकि हारिस रउफ और फैसल अकरम को दो- दो विकेट मिले। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम ने 44.4 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर 215 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने 45 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 55 रन बनाये जबकि मोहम्मद रिजवान ने 92 गेंदों पर 62 रन बनाये। बाबर आजम ने 52 गेंदों पर 34 रन बनाए। हुसैन तलत 57 गेंदों पर 42 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं श्रीलंका की ओर से जेफ्री वैंडरसे ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि एक विकेट महीश तीक्षणा को मिला।

दिनेश कार्तिक की चेतावनी-सुंदर को नंबर-3 पर भेजकर टीम इंडिया कर रही है बड़ी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने वॉशिंगटन सुंदर को एक चौंकाने वाला प्रमोशन दिया और उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। हालांकि यह प्रयोग उम्मीद के मुताबिक नहीं चला और सुंदर दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 60 रन ही बना पाए। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में भी उनका असर बिल्कुल नहीं दिखा और पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका।

कार्तिक ने जताई चिंता—'यह उनकी गेंदबाजी पर असर डालेगा'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने इस फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि सुंदर को टॉप ऑर्डर में भेजना उनकी गेंदबाजी क्षमता पर बड़ा असर डाल सकता है।

कार्तिक ने कहा:'अगर आप सुंदर को नंबर-3 भेज रहे हैं, तो आप उन्हें बता रहे हैं कि अब उन्हें बल्लेबाजी पर ज़्यादा ध्यान देना होगा। जैसे-जैसे वह बैटिंग पर समय देंगे, उनकी गेंदबाजी की प्रैक्टिस घटेगी—और दोनों में टॉप पर रहना शारीरिक रूप से संभव नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि लंबे वक्त में यह फैसला उनके गेंदबाजी कौशल को नुकसान पहुंचा सकता है।

सुंदर की नई भूमिका पर उठे सवाल

सुंदर ने साई सुदर्शन की जगह नंबर-3 बल्लेबाज़ की भूमिका निभाई थी। हालांकि यह पोजीशन आमतौर पर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ की होती है। सुंदर ने सीमित ओवर क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई है, लेकिन टेस्ट में यह भूमिका उनके लिए नई और चुनौतीपूर्ण है। दूसरे टेस्ट (22 नवंबर, गुवाहाटी) में वह उसी स्थान पर खेलेंगे या नहीं, यह अभी बड़ा सवाल बना हुआ है।

माइकल फेल्प्स हैं विश्व के सबसे सफल तैराक, ओलंपिक में जीते हैं कुल 28 पदक

नई दिल्ली। तैराकी आज ओलंपिक सहित कई खेलों का अहम हिस्सा है जबकि पहले के समय में किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी कि इसे भी खेलों में जगह मिलेगी। ओलंपिक खेलों में अमेरिका के माइकल फेल्प्स विश्व के सबसे सफल तैराक हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले एथलीट हैं। तैराकी स्पर्धा की सबसे अधिक सुविधा संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर में हैं। सिंगापुर ने रियो ओलंपिक में तैराकी में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा, स्वीडन, नीदरलैंड, नॉर्वे, और फिनलैंड में भी तैराकी काफी लोकप्रिय है। वहीं भारत की बात की जाये तो अभी वह काफी पीछे हैं। देश में स्विमिंग पूल की कमी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रमुख बाधा है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया नियमित रूप से राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करता है पर अभी ये पर्याप्त नहीं कही जा सकती हैं। अगर तैराकी के यहां तक के सफल पर नजर डालें तो प्राचीन मिस्र, यूनान और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। वहीं इसके बाद 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में पहली बार भाग लेने का अवसर 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फिलपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के नजरिये से भी बेहद अहम माना जाता है।

कोई भी बाहर बैठे, दक्षिण अफ्रीका जीत का रास्ता ढूंढ लेगा: कागिसो रबाडा

कोलकाता (एजेंसी)। पसलियों में चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर रहे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बावजूद जीत का रास्ता तलाशने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं।

मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका की टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट मैच में भारत को तीन दिन के अंदर 30 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका की यह पिछले 15 साल में भारतीय धरती पर पहली जीत थी जिससे उसने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली।

रबाडा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका ढूंढ लेंगे। (कप्तान) तेम्बा (बावुमा) ने हमारे लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।'

बावुमा चोटिल होने के कारण पाकिस्तान में दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाने के बाद अंतिम एकादश में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जो भी मैदान पर उतरेगा, हमारा मानना है कि वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा सकता है।'

दक्षिण अफ्रीका यहां के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन की सराहना की, जिसमें कप्तान बावुमा की दूसरी पारी में खेली गई 55 रन की पारी भी शामिल है। रबाडा ने कहा, 'पहली पारी में एडेन (मार्करम) और (रयान) रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को (यानसन) ने अच्छा प्रदर्शन किया। बोस्ची (कॉर्बिन बॉश) अहम मौकों पर डटे रहे। सभी ने योगदान दिया और यही इस टीम की विशेषता है।'

अभी तक यह सुनिश्चित नहीं है कि रबाडा 22 नवंबर से गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में खेल पाएंगे या नहीं। रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने कहा, '(यह जीत) निश्चित रूप से शीर्ष पर है। इस सत्र में हमने जिस तरह की जीत हासिल की है, उसके आधार पर यह कहना मुश्किल है, क्योंकि हमने कुछ शानदार जीत हासिल की हैं, लेकिन यह जीत निश्चित रूप से शीर्ष तीन में है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूरोप में सुरक्षा अलर्ट : क्या चीन एक बटन दबाकर ठप कर सकता है पब्लिक ट्रांसपोर्ट ?

न्यूयार्क एजेंसी। अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ जेट में संभावित किल स्विच को लेकर जारी विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि यूरोप में एक और बड़ी सुरक्षा चिंता सामने आ गई है। कई यूरोपीय देश यह जांच कर रहे हैं कि क्या उनकी सड़कों पर चल रहीं सैकड़ों चीनी इलेक्ट्रिक बसों में भी ऐसा ही कोई मैकेनिज्म मौजूद है, जिसके जरिए बीजिंग चाहे तो इन्हें दूर बैठकर ही बंद कर सकता है। पिछले महीने डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने जांच शुरू की थी। अब ब्रिटेन ने भी इसी मुद्दे पर आधिकारिक जांच का आदेश दे दिया है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, यूके के परिवहन विभाग के अधिकारी और नेशनल साइबर सिक्योरिटी सेंटर मिलकर यह जांच रहे हैं कि चीनी बस निर्माता यूटोंग क्या यूके में चल रही अपनी बसों के कंट्रोल सिस्टम पर रिमोट एक्सेस, ओटीएअपडेट, या डायग्नोस्टिक्स कर सकता है? रिपोर्टों के अनुसार, इजरायल ने हाल ही में सीनियर सैन्य अधिकारियों को दी गई चीनी इलेक्ट्रिक कारों को जब्त करना शुरू कर दिया है। कारण- संभावित जासूसी, डेटा चोरी और चीनी सरकार तक संवेदनशील जानकारी पहुंचने का खतरा। नॉर्वे के ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर रूटर की जांच में पता चला कि बसों की बैटरी मैनेजमेंट और पावर सिस्टम पर रिमोट एक्सेस मौजूद है। यह एक्सेस ओटीए अपडेट के नाम पर दिया गया है। इससे बसों को रिमोट शटडाउन करने की क्षमता मिलती है — यानी एक तरह का किल स्विच। रूटर का कहना है- यूटोंग ने कभी अपनी बसों को दूर से बंद करने की कोशिश नहीं की लेकिन रिस्क वास्तविक है। कार्ड हटाने से खतरा कम हो सकता है लेकिन ऐसा करने पर सॉफ्टवेयर अपडेट रुक जाते हैं और परफॉर्मेंस प्रभावित होती है। कंपनी और उसके ब्रिटेन-ऑस्ट्रेलिया के अधिकृत वेंडर्स ने कहा ओटीए फीचर मौजूद है लेकिन अपडेट रिमोट नहीं, बल्कि ग्राहक की अनुमति के बाद फिजिकल विजिट में होते हैं। उनका कहना है कि रिमोट सिस्टम सिर्फ एसी और कंफर्ट फीचर्स तक सीमित है, न कि ब्रेकिंग/स्टीयरिंग जैसे महत्वपूर्ण फंक्शन तक। कंपनी का दावा है कि वह साइबर सिक्योरिटी मानकों का सख्ती से पालन करती है। इसके बावजूद यूरोप, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल की सरकारें जांच को और तेज कर रही हैं।

अमेरिका में एआइ की मदद से सड़कों को किया जा रहा गड्ढामुक्त, कैमरों की ली जा रही मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ के जरिये न केवल सड़कों के गड्ढों को चिह्नित किया जा रहा है, बल्कि तकनीक ही तय करती है कि किन गड्ढों को पहले भरा जाना है, कहां गार्डरेल ठीक होनी है, कहां साइनबोर्ड दुरुस्त होने हैं और किस मोड़ पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाने हैं। ये कैमरे संबंधित विभाग को सूचना भेजते हैं और मरम्मत टीम मौके पर जाकर चीजें ठीक करती है। भारत में भी इससे प्रेरणा लेकर सड़कों को यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है। अमेरिका के हवाई राज्य के अधिकारियों ने बताया कि सड़क हादसों में कमी लाने के लिए 1000 डैशबोर्ड कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे एआइ के इस्तेमाल से सड़कों के किनारे लगे गार्डरेल, सड़क चिह्नों और पैदल मार्ग की मार्किंग का स्वचालित निरीक्षण करते हैं और आपात स्थितियों का आकलन करके मरम्मत कार्य दल को वारंट भेजते हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये काम दैनिक आधार पर किया जाता है। कैलिफोर्निया के सैन जो इलाके में सड़कों पर लगे कैमरों के बारे में स्वीपर और सिटी स्टाफ ने बताया कि इस प्रणाली ने 97 प्रतिशत तक सही जानकारी दी। अब इस प्रयास को आगे बढ़ाया जा रहा है। टेक्सास राज्य में सड़कों की हालत का पता लगाने में आम लोगों की भी मदद ली जा रही है। स्वयंसेवी ड्राइवरों की गाड़ियों में लगे कैमरों के साथ-साथ मोबाइल फोन डेटा के इस्तेमाल से खराब सड़कों का पता लगाकर उसे ठीक किया जा रहा है। हवाई राज्य में 2021 से ही सड़क सुरक्षा के लिए आइज आन द रोड अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें तमाम गाड़ियों में 499 डालर के डैशकैम फ्री में लगाए गए। इस काम में हवाई यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर रोजर चेन ने भी सहयोग किया। उन्होंने पुराने पड़ चुके सड़क ढांचे में सुधार के लिए कार्यक्रम तैयार किए। सैन जो के मेयर मैट महन ने सड़कों की बेहतरी के लिए दो स्टार्टअप भी शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि उनके एआइ डेटाबेस में शहर की खस्ताहाल सड़कों की तस्वीरें साझा की जाएं तो बड़े पैमाने पर सुधार कार्यक्रम चलाया जा सकता है। एआइ आधारित सड़क सुरक्षा तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि आनेवाले वर्षों में लगभग सभी गाड़ियों में कैमरे लग जाएंगे, जिनसे सड़कों की स्थिति बेहतर की जा सकेगी, गड्ढे खत्म किए जा सकेंगे, साइनबोर्ड दुरुस्त रहेंगे और यातायात के लिए सड़कें और भी ज्यादा सुरक्षित हो जाएंगी।

अमेरिका में बढ़ी महंगाई, ट्रंप ने टैरिफ पर लिया यू-टर्न; भारत को होगा बड़ा फायदा

अमेरिकी , एजेंसी। आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के आक्रोश के मद्देनजर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक और यू-टर्न लेते हुए कई वस्तुओं पर टैरिफ घटा दिया है। उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत काफी, टमाटर, केला और बीफ सहित 200 से ज्यादा खाद्य वस्तुओं को व्यापक शुल्कों से छूट मिल गई है। खाद्य आयात पर टैरिफ कम करने के ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को इसका फायदा हो सकता है। उन्होंने कुछ दिन पहले जेनेरिक दवाओं से भी टैरिफ हटाया था। भारत लगभग 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह आदेश इन वस्तुओं को पारस्परिक टैरिफ प्रणाली से हटा देता है, जिसके तहत 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत के बीच की दरें लागू होती हैं। हालांकि, यह टैरिफ को पूरी तरह से समाप्त नहीं करता है। उदाहरण के लिए, अमेरिका के प्रमुख आपूर्तिकर्ता मेक्सिको से आयातित टमाटरों पर अभी भी 17 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। सीएनएन के अनुसार, लगभग 30 साल पुराने व्यापार समझौते की समाप्ति के बाद यह दर जुलाई से लागू है और इसके तुरंत बाद टमाटर की कीमतों में उछाल आया। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल औरजूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस की ओर से जारी सूची में काफी और चाय, संतरे, टमाटर और बीफ का भी जिक्र है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया है और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ा है। लेकिन, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया।

भारत को क्या फायदा हुआ : इससे भारत को फायदा हुआ जो अमेरिका में लगभग 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। बहरहाल, ट्रंप का यह यू-टर्न बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि वह लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस साल की शुरुआत में उनके द्वारा लगाए गए व्यापक आयात शुल्क के कारण महंगाई नहीं बढ़ रही है। शुक्रवार शाम एयर फोर्स वन में इस कदम के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों को अपने टैरिफ के बारे में कहा कि कुछ मामलों में ये कीमतें बढ़ा सकते हैं। लेकिन, कुल मिलाकर अमेरिका में वस्तुत- कोई मुद्रास्फीति नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते हुए चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति ने आम लोगों से जुड़े इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया है। डेमोक्रेट्स ने वर्जीनिया, न्यू जर्सी और न्यूयार्क सिटी में राज्य और स्थानीय चुनावों में लगातार जीत हासिल की है, जहां खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों को लेकर मतदाताओं की बढ़ती चिंता एक प्रमुख मुद्दा थी। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को उन व्यापार समझौतों की रूपरेखा की घोषणा की, जिनके अंतिम रूप दिए जाने के बाद अर्जेंटीना, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर से कुछ खाद्य पदार्थों और अन्य आयातों पर टैरिफ समाप्त हो जाएंगे।

कई उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल : अमेरिकी अधिकारी इस वर्ष के अंत तक अतिरिक्त समझौतों पर भी विचार कर रहे हैं। शुक्रवार की सूची में वे उत्पाद शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी उपभोक्ता नियमित रूप से अपने परिवारों का पेट भरने के लिए खरीदते हैं, जिनमें से कई उत्पादों की कीमतों में साल-दर-साल दोहरे अंकों में वृद्धि देखी गई है। इसमें संतरे, अकाई बेरी और लाल शिमला मिर्च से लेकर कोको, खाद्य उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले रसायन, उर्वरक सहित 200 से ज्यादा उत्पाद शामिल हैं।

यूरोप में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, पुर्तगाल और ब्रिटेन में भीषण बाढ़; हाई अलर्ट जारी

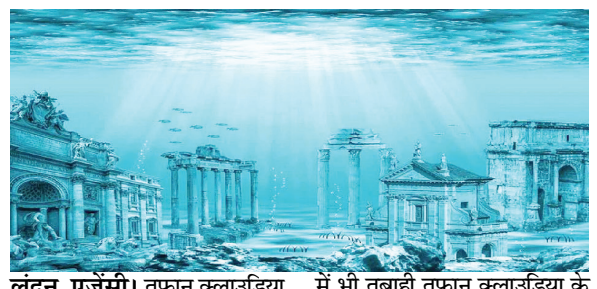

लंदन, एजेंसी। तूफान क्लाउडिया ने यूरोप में भारी तबाही मचाई है। तूफान के क्लाउडिया के ब्रिटेन और वेल्स की ओर बढ़ने से दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हो गए हैं। राहत बचाव की टीम लगातार रेस्क्यू में जुटी हैं। इस बीच पुर्तगाल के सेतुबल और फारो जिलों समेत कई क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट जारी है।

दरअसल, तूफान क्लाउडिया ने यूरोप के कई देशों की मुश्किलें बढ़ा दी है। तूफान के कारण भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं, जिससे भूस्खलन और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। यूरोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तेज मौसम ने कई पेड़ उखाड़ दिए और घरों, सड़कों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

पुर्तगाल के राष्ट्रीय आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण के अनुसार, बुधवार दोपहर से शुक्रवार सुबह तक लगभग 2,434 घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें से अधिकांश बाढ़ से संबंधित थीं। दक्षिणी पुर्तगाल का फारो जिला शुक्रवार को सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण बाढ़ आ गई और पेड़ गिर गए। ब्रिटेन में भी तबाही तूफान क्लाउडिया के चलते ब्रिटने और वेल्स में लगातार आंधी पानी का दौर जारी है। ब्रिटेन के मौसम विभाग ने बताया कि ग्वेंट के तफालोग स्थित नेचुरल रिसोर्सेज वेल्स के वर्षामापी यंत्र पर गुरुवार और शुक्रवार के बीच 81.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

भारी बारिश के कारण ब्रिटेन के वेल्स में बाढ़ आ गई है। बचावकर्मी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकालने में जुटे हुए हैं। सेतुबल नगरपालिका के अजीताओ में भूस्खलन के बाद एक सड़क धंस गई, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया है। सेतुबल जिले में कई जगहों पर बाढ़ आ गई। आज भी कई जगहों पर बाढ़ का हाई अलर्ट जारी है।

बचाव कर्मियों को गुरुवार को एक बुजुर्ग दंपति का शव उनके बाढ़ग्रस्त घर के अंदर मिला। आशंका है कि वे सो रहे थे और रात में पानी बढ़ने के कारण भाग नहीं पाए। पुर्तगाल में गरज के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी है। तटीय क्षेत्रों में, चार से पाँच मीटर ऊँची लहरों के लिए चेतावनी जारी है, जो शनिवार रात तक जारी रहने की उम्मीद है।

बीबीसी से वसूलेंगे पांच अरब डॉलर का हर्जाना, डॉक्यूमेंट्री मामले पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अपने भाषण के गलत तरीके संपादन के मामले में वह बीबीसी (ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कॉर्पोरेशन) पर पांच अरब डालर के हर्जाने का मुकदमा दायर करेंगे। बीबीसी इस मामले में दो बार माफी मांग चुका है और उसके दो जिम्मेदार अधिकारियों ने इस्तीफे भी दिए हैं लेकिन ट्रंप इससे संतुष्ट नहीं हैं। बीबीसी की ट्रंप पर बनाई डॉक्यूमेंट्री में उनके छह जनवरी, 2021 के भाषण का गलत संपादन हुआ है। राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव हारने के बाद ट्रंप समर्थकों के बीच भाषण दे रहे थे। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप इसी दौरान समर्थकों पर अमेरिकी संसद पर हमले के लिए उकसाते हुए दिखाए गए हैं। संसद पर ट्रंप समर्थकों के हमले की घटना से अमेरिका की काफी किरकिरी हुई थी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को भारी बल प्रयोग करना पड़ा था। 2024 में प्रसारित की गई थी डॉक्यूमेंट्री डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप के भाषण में काट-छांट कर संसद पर हमले के लिए उन्हें जिम्मेदार बताने की कोशिश की गई है। यह डॉक्यूमेंट्री 2024 में तब प्रसारित की गई जब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के लिए फिर से चुनाव लड़ रहे थे। हाल ही में यह प्रकरण मीडिया में आने के बाद ट्रंप ने उस पर कड़ी नाराजगी जताई थी। ट्रंप के वकीलों ने इस मामले में बीबीसी को नोटिस भेजकर शुक्रवार तक माफी मांगने और एक अरब डॉलर का हर्जाना देने के लिए कहा था। बीबीसी ने शुक्रवार को ट्रंप से फिर माफी मांगी लेकिन हर्जाने पर कुछ नहीं कहा। बीबीसी के प्रमुख समीर शाह ने कहा, गलत संपादन के पीछे कोई बदनीयत नहीं थी। बीबीसी को भेजे नोटिस में ट्रंप के वकीलों ने कहा है कि डाक्यूमेंट्री में गलत भाषण दिखाए जाने से उनके मुवक्किल (ट्रंप) की छवि बिगड़ी और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। शनिवार को छुट्टी मनाने के लिए फ्लोरिडा जाते समय ट्रंप ने अपने विमान एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पांच अरब डालर का हर्जाना वसूल करने के लिए अगले सप्ताह कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने मेरे मुंह से निकलने वाले शब्दों को बदला है, यह बहुत बड़ी गड़बड़ी है।

नेपाल के बाद अमेरिका के पड़ोसी देश में सड़कों पर उतरे जेन-जेड, कई शहरों में फैला प्रदर्शन

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के बाद अब अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको में भी जेन-जेड आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतरे। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाउम की सुरक्षा नीतियों और ड्रग कार्टलों के खिलाफ नरमी के विरोध में किया गया। खासकर मिशोआकान राज्य में ड्रग तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहे मेयर कार्लोस मंज़ो की हत्या के बाद आंदोलन ने तेजी पकड़ी।

विपक्षी दलों का समर्थन : जेन-जेड आंदोलन को विपक्षी दलों के विभिन्न आयु वर्ग के नेताओं और समर्थकों का भी खुलकर समर्थन मिला है। आंदोलन अब व्यापक रूप धारण कर चुका है। ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन अंत में

कुछ युवाओं और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, पटाखे, लाठियां और जंजीरें फेंकी और उनकी ढालें और उपकरण छीन लिए। जवाब में पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और लाठीचार्ज किया।

झड़प में 120 घायल, 20 गिरफ्तार : राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि झड़पों में कुल 120 लोग घायल हुए, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इस मामले में 20 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को घसीटते और बल प्रयोग करते दिखाया गया, जिससे मनमानी गिरफ्तारियों और दुरुपयोग के आरोप लगे।

जेन-जेड आंदोलन की वजहें : जेन-जेड यानी 1990 के दशक के अंत और 2010 के शुरुआती वर्षों में जन्मे युवा इस साल कई देशों में असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितंबर में हुए जेन-जेड प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। मेक्सिको में युवा भ्रष्टाचार, हिंसक अपराध और अपराधियों को दंड न मिलने से परेशान हैं। वे सरकार को नार्को-स्टेट (ड्रग माफिया प्रभावित राज्य) कहकर निशाना बना रहे हैं। इस प्रदर्शन में केवल युवा ही नहीं, बल्कि विभिन्न आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फॉक्स और मेक्सिकन अरबपति रिकार्डो सेलिनास प्लीगो ने सोशल मीडिया पर समर्थन संदेश जारी किए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय महल (पलासियो नासियोनल) के आसपास की बाड़ तोड़ी और राष्ट्रपति शेनबाउम के इस्तीफे की मांग की। कई ने वन पीस कार्टून से प्रेरित समुद्री डाकू का खोपड़ी वाला झंडा लहराया, जो जेन-जेड आंदोलन का वैश्विक प्रतीक बन चुका है। एक 29 वर्षीय प्रदर्शनकारी एंड्रेस मासा ने कहा, हमें अधिक सुरक्षा की जरूरत है।

चीन ने खोजा 1,000 टन से ज्यादा सोना, एक साल में तीसरी बार मिली बड़ी खदान

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने एक बार फिर अपने विशाल शिनजियांग क्षेत्र के कुनलून पर्वतों में सोने का एक विशाल भंडार खोज निकाला है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यहां 1,000 टन से अधिक सोना मौजूद होने की संभावना है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले एक साल में चीन को यह तीसरी मेगा-गोल्ड डिस्कवरी मिली है। इससे पहले लियाओनिंग और हुनान प्रांतों में भी 1,000 टन से ज्यादा सोने वाली खदानें मिली थीं। लगातार मिल रही इन खोजों ने दुनिया के गोल्ड मार्केट में चीन की संभावनाओं को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

कुनलून पर्वत में क्या मिला : चीनी भूविज्ञान एजेंसियों ने कुल 87

संभावित सोना-क्षेत्र की पहचान की। इनमें से 6 क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण बताए गए। पहाड़ों की ऊपरी 300 मीटर परत में सोने की परतें सीधे खनन योग्य पाई गईं। इससे खनन लागत कम होगी और चीन बहुत जल्दी इसका व्यावसायिक उत्खनन शुरू कर सकता है।

पहले दुनिया की सबसे बड़ी खदानें कितने टन की थीं : अब तक दुनिया की अधिकतर सबसे बड़ी सोने की खदानें कुछ सौ टन तक ही सीमित थीं। इसी वजह से 1,000+ टन का एक ही स्थान पर मिलना वैश्विक स्तर पर बड़ा भू-वैज्ञानिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

पहले अनुमान गलत साबित हुए चीन के गोल्ड रिसोर्स उम्मीद से ज्यादा : विशेषज्ञों का अनुमान था कि चीन में लगभग 3,000 टन सोना अनमाइन्ड है। यह संख्या- रूस और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में काफी कम मानी जाती थी। लेकिन नए हाईटेक सर्वे और तकनीकी खोजों ने दिखाया कि चीन के पास इसका कई गुना ज्यादा सोना हो सकता है।

2018 में बनाया गया क्रॉस-आकार का भू-तरंग एंटीना सिस्टम : यह सिस्टम जमीन की किलोमीटर-गहरी परतों तक संकेत भेज सकता है। इससे सोना ही नहीं बल्कि लिथियम,यूरेनियम,रेयर अर्थ मेटल्स,प्राकृतिक गैस और तेल की खोज भी कम लागत और अधिक सटीकता से हो रही है। इस टेक्नोलॉजी का प्रभाव चीन से बाहर अफ्रीकी देशों तक में दिख रहा है, जहां उसने कई नई खदानें खोजने में मदद की है। भारत में भी सोने की खानें हैं, विशेषकर राजस्थान,झारखंड और मध्य प्रदेश में। लेकिन रिजर्व अपेक्षाकृत छोटे,तकनीक पुरानी और खोज का बजट सीमित है। यही कारण है कि चीन जैसी मेगा डिस्कवरी भारत में फिलहाल नहीं देखी गई है।

युद्ध का संकेत दे रहा पाक, दिल्ली विस्फोट के बाद बलूच कार्यकर्ता का बड़ा दावा

करांची, एजेंसी। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास हाल ही में हुए कार बम हमले और उसके बाद श्रीनगर में हुए आकस्मिक विस्फोट पाकिस्तान द्वारा युद्ध की घोषणा के समान है। विगत 78 वर्षों में दुनिया को पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने से आतंकवाद, रक्तपात, अस्थिरता, परमाणु हथियार हथियार, ब्लैकमेलिंग की रणनीति और देश की गिरती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के बोझ के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।

मीर ने पाकिस्तान को बताया जिम्मेदार : मीर ने एक्स पोस्ट में लिखा, पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसका इतिहास गढ़ा गया है, जिसकी अर्थव्यवस्था बलूचिस्तान के विशाल संसाधनों के दोहन से चलती है, और जिसकी सेना ने आतंकवादी समूहों को बढ़ावा और प्रशिक्षण दिया है, जिससे संघर्ष का एक अंतहीन चक्र चलता रहा है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी स्थितियां पैदा करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने निष्कर्ष निकाला है कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है, और इसलिए, जैसा कि इजरायल ने किया है, दिल्ली को भी बड़े पैमाने पर निर्णायक कार्रवाई पर विचार करना चाहिए। इजरायल एक साथ कई, ज्यादा शक्तिशाली देशों पर हमले करता रहता है; जबकि पाकिस्तान, भारत के साथ एक महीने तक भी लगातार संघर्ष नहीं झेल पाएगा। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों से शुरू हुए संघर्ष को निर्णायक रूप से समाप्त करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को बलूचिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों को आपातकालीन आधार पर खुले तौर पर रक्षात्मक और सैन्य सहायता प्रदान करनी चाहिए। अफगानिस्तान में, भारत को बगराम के साथ-साथ कम से कम दस अतिरिक्त हवाई अड्डों की तलाश करनी चाहिए ताकि अफगानिस्तान की जमीन से अभियान शुरू किया जा सके। विशेषज्ञों का हवाला देते हुए मीर ने कहा कि दिल्ली और काबुल को संयुक्त रूप से एक भारत-अफगानिस्तान-बलूचिस्तान त्रिपक्षीय सम्मेलन की मेजबानी करनी चाहिए ताकि ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जा सके और साझा हितों की रक्षा तथा पाकिस्तान की आईएसआई और सेना द्वारा छेड़े गए।

ब्राजील के जलवायु शिखर सम्मेलन में चीन ने संभाली कमान, अमेरिका पीछे हटा

टोरंटो, एजेंसी। ब्राजील के अमेज़न शहर बेलेम में हो रहे यूएन के वार्षिक जलवायु सम्मेलन सीओपी30 में इस बार एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अमेरिका पहली बार 30 साल में आधिकारिक तौर पर सम्मेलन से अनुपस्थित है और इसी खाली जगह को चीन ने तेजी से भर दिया है। सम्मेलन स्थल के मुख्य प्रवेश द्वार पर चीन का विशाल पैवेलियन, उसकी बड़ी कंपनियों की मौजूदगी और उसके अधिकारियों की सक्रिय कूटनीति ने इसे इस साल का सबसे प्रभावशाली देश बना दिया है।

अमेरिका के हटते ही चीन की भूमिका बढ़ी : चीन के पैवेलियन में सी ए टी एल, बी वाई डी ,स्टेट ग्रिड, ट्रिना सोलर और लोंगी जैसी दिग्गज ग्रीन-टेक कंपनियां लगातार प्रेजेंटेशन दे रही हैं। उनका फोकस है नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, और ग्रीन सप्लाई चेन। चीन के प्रतिनिधि लगातार दूसरे देशों से मुलाकात कर रहे हैं और क्लाइमेट नेगोशिएशन के माहौल को सकारात्मक रखने की कोशिश कर रहे हैं। जनरल फ्रांसेस्को ला कैमरा ने कहा- कूटनीति हमेशा खाली जगह की ओर बहती है,अमेरिका के हटने से वह जगह चीन ने ले ली है।

क्यों पीछे हटा अमेरिका : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से जलवायु समझौतों के आलोचक बनकर सामने आए हैं। ट्रंप ने अमेरिका को दोबारा पेरिस जलवायु समझौते से बाहर कर दिया है। इस साल उन्होंने सीओपी30 में एक भी हाई-लेवल अमेरिकी प्रतिनिधि नहीं भेजा। व्हाइट हाउस प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने कहा- ट्रंप अस्पष्ट क्लाइमेट लक्ष्यों के लिए अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा दांव पर नहीं लगा सकते। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका का यह कदम वैश्विक जलवायु राजनीति में उसकी पकड़ कमजोर करता है। कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूज़ॉम ने

चेतावनी दी- अगर हमने जागरूकता नहीं दिखाई, तो नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अमेरिका चीन से बहुत पीछे रह जाएगा।

चीन का विशाल सीओपी30पैवेलियन—पहले से कई गुना बड़ा : इस बार चीन का पैवेलियन सम्मेलन के प्रवेश द्वार के ठीक बगल में है। यहां टॉप चीनी कंपनियाँ अंग्रेज़ी में प्रेजेंटेशन दे रही हैं। आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए सस्टेनेबल कॉफी, पांडा थीम वाले गिफ्ट्स और टेक डेमो रखे गए हैं। सीएटीएल के वाइस प्रेसिडेंट मेंग जियांगफेंग ने कहा- आइए मिलकर पेरिस समझौते के विज़न को आगे बढ़ाएं—एक स्वच्छ और सुंदर दुनिया बनाएं। सीएटीएल दुनिया के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हर तीसरी बैटरी सप्लाई करता है—टेस्ला, फोर्ड और वोक्सवैगन जैसे दिग्गज ग्राहक हैं।

दक्षिणी देशों को भी फायदा—चीन का दावा : चीन के पर्यावरण उप मंत्री ली गाओ ने कहा- दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता होने से विकासशील देशों को भारी फायदा हुआ है। चीन ने सीओपी30 के लिए प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों की एक पूरी फ्लीट भी उपलब्ध कराई है, जो बायोफ्यूल पर भी चल सकते हैं। ब्राज़ील के अधिकारी भी चीन के योगदान की तारीफ कर रहे हैं- चीन अपनी ऊर्जा क्रांति को दुनिया के लिए लाभकारी बना रहा है, कम दामों पर साफ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है।

नेगोशिएशन में भी सक्रिय - अमेरिका की कमी पूरी कर रहा चीन : बैठकों में भी चीन का असर साफ दिख रहा है। पहले जहां चीन केवल अपने मुद्दों पर बोलता था, इस बार वह विभिन्न देशों को सहमति तक लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ब्राज़ील के एक राजनयिक ने बताया कि चीन ने ष्टह्वक्ष30 का एजेंडा फाइनल करवाने में अहम भूमिका निभाई।

क्या चीन वाकई 'लीडर' की भूमिका निभा रहा है : कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि चीन का नेतृत्व अभी आंशिक है- चीन ने अपने उत्सर्जन को 2035 तक केवल 7त्न घटाने का लक्ष्य रखा है, कई देशों को यह काफी नहीं लगता। लेकिन दूसरों का कहना है कि चीन की टेक्नोलॉजी ही दुनिया को नेट-जीरो तक पहुँचने में सबसे बड़ा योगदान दे रही है। एशिया सोसाइटी की चीन विशेषज्ञ ली शुओ का कहना है- सबसे ताकतवर देश वह नहीं होता जो ष्टह्वक्ष में सबसे जोर से बोलता है, बल्कि वह होता है जो असल में ग्रीन टेक बना रहा होता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इसरो का बड़ा रोडमैप: चंद्रयान-4 को मिली मंजूरी, 2027 में पहला मानव मिशन

2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

नई दिल्ली

भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन आने वाले वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियों की ओर बढ़ रहा है। वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी मजबूती और उद्योग सहयोग के बल पर इसरो ने अपना विस्तृत रोडमैप साझा किया है। इसमें चंद्रमा से सैंपल लाने वाला महत्वाकांक्षी चंद्रयान-4 मिशन, 2027 तक भारत का पहला मानव-सहित अंतरिक्ष मिशन और 2035 तक अपना स्वतंत्र अंतरिक्ष स्टेशन शामिल है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, कि संगठन इस वित्तीय वर्ष में कुल सात लॉन्चिंग करने की तैयारी कर रहा है। इनमें एक कमर्शियल कम्युनिकेशन सैटेलाइट, कई पीएसएलवी और जीएसएलवी मिशन शामिल होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसरो पहली बार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित पीएसएलवी परीक्षण के लिए तैयार कर रहा है, जो आत्मनिर्भर अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में बड़ी उपलब्धि होगी। सरकार ने अब चंद्रयान-4 मिशन को औपचारिक मंजूरी दे दी है। यह मिशन चंद्रमा की सतह से सैंपल पृथ्वी तक लाने वाला अत्यंत जटिल अभियान होगा। इसरो 2028 तक इसे लॉन्च करने का लक्ष्य बना रहा है। इसके साथ ही जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जेक्सा के साथ मिलकर लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (लुपेक्स) पर भी काम तेजी से बढ़ाया जा रहा है। नारायणन ने बताया कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इसरो अपनी अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को अगले तीन वर्षों में तीन गुना तक बढ़ाएगा। इससे भारत को अधिक मिशन कम समय में लॉन्च करने में मदद मिलेगी। भारत के दीर्घकालिक अंतरिक्ष कार्यक्रम में सबसे अहम परियोजनाओं में से एक है–भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन। इसरो 2035 तक अपने अंतरिक्ष स्टेशन को पूर्ण रूप में स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है। पांच मॉड्यूल वाले इस स्टेशन

का पहला मॉड्यूल 2028 तक कक्षा में भेज दिया जाएगा। इसके साथ भारत अमेरिका और चीन के बाद अपना स्वयं का स्पेस स्टेशन रखने वाला तीसरा देश बन सकता है। इसी तरह मानव-सहित गगनयान मिशन पर कार्य तेज़ी से जारी है। योजना के अनुसार 2027 तक भारत अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान भेज देगा, जो देश के अंतरिक्ष इतिहास में एक बड़ा मोड़ साबित होगा।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी के मालिक जवाद का शिक्षा के क्षेत्र में दुबई तक फैला है कारोबार

फरीदाबाद

अल-फलाह यूनिवर्सिटी चलाने वाले जवाद अहमद सिद्दीकी सिर्फ स्कूल-कॉलेज नहीं चलाते, बल्कि रियल एस्टेट का बड़ा बिजनेस भी करते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनका कारोबार दुबई तक फैला हुआ है। उन्होंने अपना पूरा परिवार दुबई भेज दिया है और खुद भी शायद वहीं रहते हैं। लेकिन अभी तक पुलिस या कोई अधिकारी ने इसकी पक्की खबर नहीं दी। लोग पूछ रहे हैं कि वे कहां हैं और क्या कर रहे हैं? पहले अल-फलाह सिर्फ इंजीनियरिंग कॉलेज था, फिर यूनिवर्सिटी बना और मेडिकल कॉलेज भी खोला। अब सिद्दीकी ने कई कोर्स बंद कर दिए, जैसे इंजीनियरिंग, जेबीटी और डिप्लोमा। वजह?

पैसा! मेडिकल से ज्यादा कमाई होती है।

सूत्रों की मानें तो एमबीबीएस पढ़ाना बहुत खर्चीला है। एक स्टूडेंट पर करीब एक करोड़ रुपये लगते हैं। लेकिन इंजीनियरिंग या दूसरे कोर्स सिर्फ कुछ लाख में हो जाते हैं। जब सिद्दीकी के पास ढेर सारा पैसा आने लगा, तो उन्होंने मेडिकल पर जोर दिया। पहले वे हर छोटी चीज पर नजर रखते थे - स्टेशनरी खरीदना हो या गार्डनिंग, बिना उनकी हां के कुछ नहीं होता। मेडिकल की परमिशन मिली तो उनका स्टाइल बदल गया। ज्यादा पैसे से उन्होंने नया बिजनेस प्लान बनाया। पैसे की बौछार ने सिद्दीकी को दुबई की ओर खींचा। उन्होंने वहां रियल एस्टेट शुरू किया, क्योंकि दुबई सुरक्षित और फायदेमंद लगा। फिर अपना आलीशान घर बनवाया और परिवार को शिफ्ट कर दिया। अब उनका बिजनेस इंटरनेशनल हो गया। लेकिन भारत में लोग हैरान हैं कि यूनिवर्सिटी का मालिक कहां गायब हो गया? सिद्दीकी का लोकल किसानों से झगड़ा भी पुराना है। किसानों का कहना है कि उन्होंने सरकारी रास्ते कब्जा लिए और खेतों का रास्ता ब्लॉक कर दिया। शिकायत की, लेकिन कुछ हुआ नहीं। परेशान किसानों से सिद्दीकी ने फायदा उठाया और 30 एकड़ जमीन को 100 एकड़ बना लिया। यूनिवर्सिटी बड़ी हो गई, लेकिन किसान रोते रह गए।

महाराष्ट्र में दिखने लगा कांग्रेस की बिहार में हार का परिणाम, दुत्कारने लगे उद्धव ठाकरे

मुंबई

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बहुत बुरी हार हुई है। इसका असर महाराष्ट्र में अभी से दिखाई देने लगा है।शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे अब कांग्रेस को आंख दिखाने लगे हैं। उन्होंने साफ कर दिया कि कांग्रेस अपने निर्णय खुद लेने के लिए स्वतंत्र है और उनकी पार्टी भी अपने फैसले स्वतंत्र रूप से लेती है। दरअसल कांग्रेस ने ही ऐलान किया था कि वह बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी। इसके एक दिन बाद यानी रविवार को आया उद्धव का यह बयान इस बात का संकेत है कि वह कांग्रेस को मनाने की कोई कोशिश नहीं करने वाले हैं।

उद्धव ठाकरे ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली भारी जीत पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि राजद नेता तेजस्वी यादव को मिले विशाल समर्थन को लेकर यह जांच होनी चाहिए कि यह समर्थन वास्तविक था या फिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के ज़रिये 'तैयार' किया गया।महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला और मुंबई कांग्रेस प्रमुख वरखा गायकवाड़ ने शनिवार को कहा था कि पार्टी स्थानीय इकाई की सलाह के अनुसार 227 वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। चेन्निथला ने कहा, 'स्थानीय निकाय चुनाव होने के कारण हमने मुंबई इकाई की राय को प्राथमिकता दी है।' कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई मनसे चीफ राज ठाकरे की हालिया नज़दीकियों से पार्टी में असहजता बढ़ी है। दोनों नेताओं के बीच बढ़ती बातचीत को कांग्रेस अपने लिए राजनीतिक जोखिम के रूप में देख रही है। वहीं बीएमसी चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार ने 'बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक सार्वजनिक ट्रस्ट' का पुनर्गठन कर उद्धव ठाकरे को दोबारा इसके अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है। उन्होंने यह पद 2019 में मुख्यमंत्री बनने के बाद छोड़ दिया था।

दिल्ली विस्फोट घाटी में केंद्र सरकार की विफलता को दिखाता: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर

पीडीपी प्रमुख और जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की मोदी पर आरोप लगाया कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुआ विस्फोट बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दिखाता है। महबूबा ने कहा कि आपने दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही हैं। आपने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा किया था, लेकिन वादे को पूरा करने के बजाय, आपकी नीतियों ने दिल्ली को असुरक्षित बना दिया है। महबूबा ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है। दिल्ली के लोग शायद यह सोचते हैं कि जितना ज्यादा हिंदू-मुस्लिम विभाजन होगा, उतना ही खून-खराबा होगा, उतने ही ज्यादा वोट उन्हें मिलने है। मुझे लगता है कि उन्हें फिर सोचना चाहिए। देश कुर्सी से कहीं बड़ा है। मैं ऐसा करने वाले युवाओं से फिर कहना चाहती हूं कि आप जो कर रहे हैं

वह हर तरह से गलत है। यह न केवल आपके लिए, बल्कि आपके परिवार, जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लिए भी खतरनाक है।

लाल किला ब्लास्ट में दिल्ली से हुई पहली गिरफ्तारी

नई दिल्ली

लाल किला ब्लास्ट में एनआईए को एक बड़ी कामयाबी मिली है। एनआईए ने एक कश्मीरी के रहने वाले अमीर राशिद अली को गिरफ्तार किया है, जिसने आत्मघाती हमलावर उमर के साथ मिलकर इस हमले की साजिश रची थी। अमीर राशिद अली,जिसके नाम पर हमले में इस्तेमाल की गई कार पंजीकृत थी, को दिल्ली से गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस से केस अपने हाथ में लेने के बाद एनआईए उसकी तलाश कर रही थी। जांच में पता चला कि आरोपी, जो जम्मू-कश्मीर के सांबूरा, पंपोर का रहने वाला है, ने कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर यह हमला करने की योजना बनाई थी। अमीर दिल्ली आया था ताकि उस कार को खरीदने में मदद कर सके, जिसे

बाद में आईईडी से लैस कर विस्फोट के लिए इस्तेमाल किया गया। एनआईए ने फोरेंसिक जांच में कार चलाने वाले मृत व्यक्ति की पहचान उमर उन नबी के रूप में की है, जो पुलवामा का रहने वाला था और फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय में जनरल मेडिसिन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर था। एजेंसी ने नबी की एक और गाड़ी भी जब्त की है, जिसे सबूतों के लिए जांचा जा रहा है। अब तक एनआईए ने 73 गवाहों से पूछताछ की है, जिनमें धमाके में घायल लोग भी शामिल हैं। यह धमाका 10 नवंबर को दिल्ली में हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस, जम्मू-कश्मीर पुलिस, हरियाणा पुलिस, यूपी पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर एनआईए कई राज्यों में जांच कर रही है। एजेंसी बड़े नेटवर्क और साजिश का पता लगाने तथा हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस नेता उदित की अजीब दलील.....तेजस्वी खुद नहीं जीते, बल्कि भाजपा ने उन्हें जिताया

नई दिल्ली

बिहार में एनडीए की बंपर जीत और महागठबंधन की हार के बाद विपक्षी दलों के नेता चुनाव में धांधली का आरोप लग रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने एक नई दलील देकर कहा है कि तेजस्वी यादव खुद नहीं जीते, बल्कि भाजपा और चुनाव आयोग ने उन्हें जिताया, ताकि ज्यादा शोर ना मचे। कांग्रेस नेता उदित राज ने बताया कि एसआईआर और ईवीएम में गड़बड़ी के सहारे भाजपा 2029 में 400 पार कर संविधान को बदल देगी।

पूर्व सांसद उदित राज ने कहा कि तेजस्वी शाम तक पीछे चल रहे थे लेकिन फिर भाजपा ने उन्हें जितवा दिया। उन्होंने कहा, तेजस्वी को इन्होंने इसलिए जितवा दिया, मैं कहूंगा वह जीते नहीं है, इन्होंने जितवा दिया।

शाम तक तेजस्वी पीछे चल रहे थे। अब इन्होंने सोचा कि यह साबित करने के लिए कि चुनाव निष्पक्ष हुआ है तेजस्वी को

जिताया गया। वरना तेजस्वी हर रहे थे। उदित राज ने तेजस्वी को लेकर कहा, एक तेजस्वी खुद जीते नहीं है, बीजेपी ने जितवा दिया, चुनाव आयोग ने जितवा दिया कि जिता दो नहीं, तब लोग ज्यादा शोर शराबा कर सकते है। ये चुनाव पहले से तय था, पहले से तय था कि क्या होगा।

पूर्व सांसद ने कहा कि जिस तरह बिहार में एसआईआर के जरिए जीत हासिल की गई उस फॉर्मूले से 2029 में भाजपा 400 सीटें जीत लेगी। अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले कांग्रेस नेता ने कहा, 2027 में संभव है कि वन नेशन वन इलेक्शन करे या 2029 में जिस तरह डकैती बिहार में किया है, उस तरह से 400 पार अब कर सकते है।

अब नया तरीका आ गया है, एसआईआर और ईवीएम। अब संविधान को बदलने की तैयारी हैं, मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि संविधान को खत्म करने जा रहे हैं। बात बहुत आगे तक जा चुकी है।

नीतीश ने सौंपा राज्यपाल को इस्तीफा, 10वीं बार सीएम पद की शपथ लेने की तैयारी, गांधी मैदान में होगा शपथ ग्रहण समारोह

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार गठन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

इससे पहले उन्होंने अपनी सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मौजूदा विधानसभा को भंग करने का प्रस्ताव पारित किया गया। राज्यपाल से मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि अब नई सरकार के गठन का रास्ता पूरी तरह साफ है।

नई सरकार गठन के क्रम में मंगलवार को जदयू विधायकों की बैठक बुलाई गई है। भाजपा विधायक दल की बैठक भी इसी दिन होगी। दोनों दलों की बैठकों के बाद एनडीए गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा। इसके बाद राज्यपाल के समक्ष सरकार गठन का दावा पेश किया जाएगा। चूंकि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा पहले ही घोषित किया जा चुका है, अतः यह तय माना जा रहा है कि नीतीश कुमार 10वीं बार सीएम पद की शपथ लेने को तैयार हैं।

सूत्रों से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, नीतीश कुमार 20 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बड़े स्तर पर होने वाले इस आयोजन के लिए तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रहीं हैं। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि नई कैबिनेट में कुल 36 मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। इनमें 16 मंत्री भाजपा से, 15 जदयू से, 3 लोजपा (रामविलास) से तथा हम और रालोमो से 1-1 मंत्री शामिल होंगे।

जानकारी अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति की भी पुष्टि हुई है।

एनडीए नेताओं का मानना है कि यह समारोह गठबंधन की एकजुटता और चुनावी विजय का प्रतीक होगा। गौरतलब है कि मौजूदा सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है, इसलिए उससे पहले नई सरकार का गठन अनिवार्य है। चुनाव आयोग ने सभी विजयी उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची राजभवन को सौंप दी है और राज्य में आचार संहिता भी समाप्त कर दी गई है।

पीके पार्टी ने 238 उम्मीदवार किए खड़े, 236 की जमानत जब्त

35 सीटों ने बदल दिए रिजल्ट, एनडीए को मिला फायदा

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम ने सबसे ज्यादा प्रशांत किशोर की उम्मीदों पर पानी फेरा है। उन्होंने 238 उम्मीदवार उतारकर बिहार में सरकार बनाने तक का दावा किया था। वहीं उनके 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। करीब 35 सीटें ऐसी थीं जिनपर उनके प्रत्याशियों की वजह से समीकरण बदल गए। इन सीटों में से 19 एनडीए के खाते में गईं और 14 महागठबंधन को मिलीं। इसके अलावा एआईएमआईएम और बीएसपी ने एक-एक ऐसी सीट जीती। इन 35 सीटों पर प्रशांत की जनसुराज पार्टी को जीत-हार के अंतर से ज्यादा वोट मिले। अब यह नहीं कहा जा सकता कि अगर प्रशांत ने अपने उम्मीदवार को ना उतारा होता तो ये वोट किस तरफ जाते। 115 सीटों पर जनसुराज पार्टी तीसरे स्थान पर थी और एक सीट पर यह दूसरे नंबर पर थी। इन 35 सीटों में से प्रशांत किशोर की पहले की पार्टी जेडीयू जीत गई। एक सीट चिराग पासवान और

एक उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के खाते में गई।

वहीं महागठबंधन में इन सीटों में से 9 पर आरजेडी, एक पर सीपीएम, एक पर सीपीआई माले और एक पर आईआईपी ने जीत दर्ज की। बता दें प्रशांत किशोर को लेकर पहले भी आलोचक यही भविष्यवाणी करते थे कि वे कोई भी सीट जीत नहीं पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कानपुर में वायु प्रदूषण का कहर जारी, एक्यूआई बहुत खराब स्तर पर

लगातार बिगड़ रहे हालात, सांसों पर गहराया संकट

कानपुर कानपुर में वायु प्रदूषण का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब स्तर पर है, जिससे नागरिकों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया है। प्रमुख क्षेत्रों में कल्याणपुर का एक्यूआई 388, नेहरू नगर 362 और गुरुदेव पैलेस 355 दर्ज किया गया। हालांकि कुछ इलाकों में हालात तुलनात्मक रूप से बेहतर माने जाते हैं, जैसे आईआईटी कानपुर और किदवई नगर फिर भी स्थिति बहुत खराब श्रेणी में ही है। यह स्पष्ट करता है कि प्रदूषण केवल कुछ हिस्सों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर में फैला हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण का मुख्य कारण वाहन धुएं, निर्माण स्थलों की धूल और हवा की धीमी गति है। इसके चलते प्रदूषण के कण निचली हवा में जमा हो गए हैं। बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारियों वाले लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। बाकी लोग बाहर निकलते समय एन95 मास्क पहनें और खुले में व्यायाम या टहलने से बचें। शहर प्रशासन ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, जिनमें सड़कों पर पानी छिड़काव, कूड़ा जलाने पर रोक और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शामिल है। नागरिकों को एक्यूआई मध्यम स्तर पर आने तक सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है।

अमेरिका और चीन को लेकर बोले पूर्व सेना प्रमुख कहा- शक्ति के बिना शांति असंभव

देहरादून आर्थिक रूप से हम अमेरिका और चीन से बहुत पीछे हैं। चीन हमारा बड़ा प्रतिद्वंद्वी है। हमारी आर्थिक प्रगति दोहरे अंकों में होनी चाहिए। तकनीक जिस तेजी से बदल रही है सेना को भी अधिक गतिशील होना होगा। मतलब बगैर शक्ति के शांति संभव नहीं है। ये बात देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे ने भारत की विकास गति, सैन्य क्षमता, तकनीकी बदलावों और महिलाओं की समान भागीदारी पर विचार रखते हुए कही। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। रक्षा बजट बढ़ाना ही होगा। शक्ति के बिना शांति असंभव है। नरवणे ने कहा कि हमारे सामने साल दर साल चुनौतियां बढ़ रही हैं। हमें खुद को तैयार करना होगा। हमें एआई, मशीन लर्निंग, रिसर्च और विकास समेत कई दिशाओं में काम करना है। महिलाओं की भी सेना में भागीदारी बढ़ानी होगी। युवाओं को मिलिट्री प्रशिक्षण देना होगा। अग्निवीर जैसी योजनाएं देश के लिए बहुत लाभकारी हैं। मनोज नरवणे ने कहा कि उनके लिए देहरादून दूसरा घर है। दून की यादें उनके जेहन में हमेशा रहती है। वह यहां भारतीय सैन्य अकादमी के कैडेट रहे। दून उनकी नजर में बेहद सुंदर नगर है। इसे अपनी सुंदरता कायम रखनी होगी।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन: हरियाणा पुलिस का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली हरियाणा पुलिस ने संगठित अपराधों को खत्म करने और राज्य को सुरक्षित बनाने के लिए ऑपरेशन ट्रैकडाउन नामक एक विशेष राज्यव्यापी अभियान चलाया है, जिसने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। यह अभियान 5 नवंबर को शुरू हुआ था। ऑपरेशन के तहत 11 दिनों में 3,172 अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। जिसमें संगीन/गंभीर मामलों में 610 अभियुक्त और अन्य मुकदमों में 2,562 अपराधी शामिल है। 11वें दिन 96 कुख्यात अपराधी पकड़े गए और कुल 54 गंभीर मामलों में 67 अपराधी जेल भेजे गए। हत्या के 7 मामलों में 8 गिरफ्तारियाँ हुई है। वहीं हत्या का प्रयास के 23 मामलों में 29 गिरफ्तारियाँ इस आपरेशन के दौरान की गई है। वहीं आर्म्स एक्ट (अवैध हथियार) के 22 मामलों में 27 गिरफ्तारियाँ की गई है। अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए 15 नवंबर को 19 अभियुक्तों की हिस्ट्री शीट खोली गई, और अब तक कुल 150 अपराधियों की हिस्ट्री शीट खोली जा चुकी है। ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत करनाल पुलिस को दो महत्वपूर्ण सफलताएं मिलीं, जिसमें चार वांछित और कुख्यात अपराधी गिरफ्तार किए गए है। 13 नवंबर को नहर की पटरी पर गांव कलरी नन्हेड़ा की ओर जा रहे शिकायतकर्ता कमलजीत के साथ लूटपाट हुई। गिरफ्तार आरोपी योगेश पुत्र दान सिंह निवासी नौरथा, इंद्री, करनाल निवासी है। योगेश के खिलाफ पहले से ही चोरी और आर्म्स एक्ट समेत आठ अन्य मामले दर्ज हैं। बात दें कि 13 अक्टूबर की रात को सीएनजी पेट्रोल पंप, घरौंडा के कर्मचारी के साथ मामूली कहासुनी होने पर अंधाधुंध फायरिंग कर दहशत फैलाई गई थी। जितेंद्र पुत्र सतपाल, सचिन उर्फ रिकी पुत्र हरीश भारद्वाज, और दीपक पुत्र कर्मवीर (सभी पानीपत निवासी)। मुख्य आरोपी जितेंद्र के खिलाफ भी पहले से ही हत्या के प्रयास, दंगा और धोखाधड़ी समेत चार अन्य संगीन मामले दर्ज हैं। यह ऑपरेशन हरियाणा को अपराध मुक्त राज्य बनाने की दिशा में हरियाणा पुलिस के जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाता है।